BORDER NEWS MIRROR
BNM
to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र
RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

जेई जैसे गंभीर बिमारियों से बच्चों को... 3 | www.bordernewsmirror.com | रेड 2 का गाना तुम्हे दिल्लगी... 7

अमृतपाल समर्थकों ने रची शाह पर हमले की साजिश

● कई नेताओं पर हमले का बनाया है प्लान! चैट से खुलासा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, कांग्रेस सांसद रवनीत सिंह बिट्टू और शिअद नेता बिक्रम सिंह मजीठिया पर हमले की साजिश रचने के आरोप में पंजाब पुलिस ने मोगा से दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इस साजिश का खुलासा एक व्हाट्सएप ग्रुप वारिस पंजाब डे टीम की लीक हुई चैट से हुआ है। यह व्हाट्सएप ग्रुप कथित तौर पर अमृतपाल सिंह के समर्थकों द्वारा चलाया जा रहा था, जो इस समय असम के डिब्रूगढ़ जेल में एनएसए के तहत बंद हैं। सोशल मीडिया पर लीक हुई चैट में अमित शाह, बिट्टू,

मजीठिया और तलवाड़ा जैसे नेताओं पर हमले की योजना का जिक्र था। ग्रुप में विदेशी फंडिंग, हथियारों की खरीद और भड़काऊ सामग्री के प्रचार जैसे संवेदनशील मुद्दों पर भी चर्चा हुई थी। पुलिस ने इस मामले में लखदीप सिंह सरदारगढ़ (बठिंडा), बलकार सिंह (खन्ना) और पवनीदीप सिंह (मोगा) को मुख्य साजिशकर्ताओं के रूप में चिन्हित किया है। वहीं, बलकार सिंह और पवनदीप सिंह को गिरफ्तार किया जा चुका है। मोगा के साइबर क्राइम थाने में आपराधिक एक्ट की कई धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। बिक्रम मजीठिया ने अमृतपाल के कथित ऑडियो क्लिप्स जारी किए हैं, जिसमें वो गैंगस्टरों से रिश्तों, लूट के माल और राजनैतिक साठगांठ की बात कर रहा है। मजीठिया ने एनआईए जांच की मांग की है और मुख्यमंत्री भगवंत मान पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया है। सुरक्षा एजेंसियों ने लीक चैट को गंभीरता से लिया है।

10 करोड़ दे दो, वरना पिता की तरह मार डालेंगे!

● एनसीपी नेता जीशान सिद्दीकी को डी कंपनी से धमकी

मुंबइ (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता और दिवंगत बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान सिद्दीकी ने दावा किया है कि उन्हें डी कंपनी से जान से मारने की धमकी मिली है। उन्होंने एएनआई से बातचीत में कहा कि धमकी देने वाले ने ईमेल के जरिए 10 करोड़ की फरौती मांगी। यह भी कहा कि वो हर 6 घंटे में ऐसे धमकी भरे ईमेल भेजेंगे। मुंबई

पुलिस के अनुसार, धमकी देने वाले ने ईमेल में लिखा कि जीशान को भी उनके पिता की तरह मार दिया जाएगा और इसके बदले 10 करोड़ रुपये की फिरौती की मांग की गई है। मेल में यह भी चेतावनी दी गई है कि हर छह घंटे में ऐसे ईमेल भेजे जाएंगे। एएनआई से बात करते हुए जीशान सिद्दीकी ने बताया, मुझे मेल के जरिए धमकी दी गई है। मेल के अंत में 'डी कंपनी' का नाम लिखा था। इसमें 10 करोड़ की फिरौती मांगी गई है। पुलिस ने बयान दर्ज कर लिया है और जांच जारी है। हमारा परिवार बेहद परेशान है। पुलिस ने जीशान सिद्दीकी से मेल की जानकारी लेकर बयान दर्ज कर लिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए साइबर सेल और क्राइम ब्रांच को जांच में लगाया गया है।

गुजरात में ट्रेनिंग प्लेन क्रैश, एक पायलट की मौत

● अमरेली के रिहायशी इलाके में गिरा प्राइवेट कंपनी का प्लेन, क्रैश होने के बाद ब्लास्ट

अमरेली (एजेंसी)। गुजरात में अमरेली के गिरिया रोड स्थित रिहायशी इलाके में एक पायलट ट्रेनिंग सेंटर का प्लेन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में पायलट की मौत हो गई है। विमान के गिरने के बाद जोरदार धमाका हुआ, जिससे पूरे

इलाके में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम और पुलिस मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। प्लेन में एक ही पायलट सवार था अमरेली पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, हादसे का शिकार हुआ यह प्लेन एक निजी कंपनी द्वारा संचालित था। हादसे का शिकार हुए प्लेन में एक ही पायलट सवार था, जिसकी मौत हो गई। पायलट का नाम अनिकेत महाजन है। हादसे से पहले पायलट ने चार बार उड़ान भरी थी। यह ट्रेनिंग सेंटर अपने एकल इंजन वाले विमानों के जरिए ट्रेनिंग देता है।

दो दिवसीय दौरे पर सऊदी अरब पहुंचे पीएम मोदी

● लड़ाकू विमानों ने पीएम को एयरस्पेस में एंटर करते वक्त मुहैया कराई सुरक्षा

रियाद (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सऊदी अरब के दो दिन के दौरे पर पहुंच गए हैं। उनका प्लेन भारतीय समय के मुताबिक, 3.20 बजे जेद्दाह में लैंड हुआ। इससे पहले सऊदी के एयरस्पेस में उनके प्लेन के एंटर होने पर सऊदी के लड़ाकू विमानों ने पीएम मोदी के प्लेन को सुरक्षा मुहैया कराई। पीएम के तीसरे कार्यकाल में यह पहली सऊदी यात्रा है। क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने पीएम मोदी को सऊदी आने का न्योता दिया था। मोदी 22 अप्रैल को सऊदी के जेद्दाह पहुंचे। इसके बाद क्राउन प्रिंस से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच योग, मीडिया, मनोरंजन और खेल को लेकर एमओयू साइन हो सकते हैं। इसके बाद कल यानी 23 अप्रैल को मोदी सऊदी की एक फैक्ट्री में भारतीय मजदूरों से मिलेंगे। बता दें कि मिडिल ईस्ट में कुल 92 लाख भारतीय काम करते हैं, जिनमें करीब 27 लाख सऊदी में काम करते हैं। पीएम मोदी और क्राउन प्रिंस के बीच इजराइल और फिलिस्तीन में जारी संघर्ष और रेड सी में जहाजों पर हौती विद्रोहियों के

हमले पर बातचीत हो सकती है। सऊदी की जेलों में बंद भारतीय नागरिक- सरकार के मुताबिक वर्तमान में 10,000 से ज्यादा भारतीय विदेशी जेलों में बंद हैं। सबसे ज्यादा 2633 भारतीय सऊदी अरब में कैद हैं, जबकि दूसरे नंबर पर 2518 भारतीय यूएई में बंद हैं। रक्षा सहयोग और ऊर्जा सुरक्षा- सऊदी अरब भारत का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल और गैस आपूर्तिकर्ता है। अप्रैल 2016 में मोदी की रियाद यात्रा से राजनीतिक, आर्थिक, सुरक्षा और रक्षा मामलों में आपसी सहयोग बढ़ा है। मोदी की इस यात्रा से इसमें और तेजी आ सकती है। इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर मुंबई से शुरू होने वाला यह कॉरिडोर कॉरिडोर 6 हजार किमी लंबा होगा। इसमें 3500 किमी समुद्र मार्ग शामिल है। कॉरिडोर के बनने के बाद भारत से यूरोप तक सामान पहुंचाने में करीब 40 फीसदी समय की बचत होगी।

पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमला, 25 मौतों की आशंका!

● जम्मू-कश्मीर में आतंकियों ने नाम पूछकर किया हमला ● प्रशासन ने एक मौत की पुष्टि की, 12 घायल

हमले पर राष्ट्रपति मुर्मू, समेत कई राजनेताओं ने जताया दुख

पहलगाम (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार की दोपहर आतंकियों ने पर्यटकों पर फायरिंग कर दी। हमले में एक टूरिस्ट की मौत हो गई। 25 मौत होने की आशंका जताई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आतंकियों ने टूरिस्ट से नाम पूछा, इसके बाद उसके सिर में गोली मार दी और फायरिंग करते हुए भाग निकले। हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा ने ली है। मीडिया को एक अफसर ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि मरने वालों की संख्या 25 से ज्यादा हो सकती है। ऐसे में मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका है। अधिकारियों के मुताबिक घटना बैसरन घाटी में हुई, इसमें 20 लोग घायल भी हुए हैं। इनमें कुछ स्थानीय भी हैं।

आतंकियों को बख्शा नहीं जाएगा: पीएम मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा करता हूं। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। इस जघन्य कृत्य के पीछे जो लोग हैं, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। उनका नापाक मंसूबा कभी कामयाब नहीं होगा। आतंकवाद से लड़ने का हमारा संकल्प अडिग है और यह और भी मजबूत होगा।

श्रीनगर पहुँचे गृहमंत्री शाह, हाईलेवल मीटिंग की

हमले को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी ने सऊदी अरब से गृह मंत्री अमित शाह से फोन पर बात की है। उन्होंने शाह से मौके पर जाने को कहा है। अमित शाह श्रीनगर पहुंच गए हैं औ अफसरों के साथ हाईलेवल बैठक कर रहगे हैं। इधर, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी से बातचीत करके हालातों की जानकारी ली। सुरक्षाबलों ने पहलगाम में हमले वाले इलाके को घेर रखा है। हेलिकॉप्टर के जरिए इलाके पर नजर रखी जा रही है। घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है।

किसी को नहीं छोड़ेंगे–जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले से दुखी हूं। मेरी संवेदनाएं मृतकों के परिजनों के साथ हैं। इस जघन्य आतंकी हमले में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा और हम अपराधियों पर कठोरतम कार्रवाई करेंगे।

भग्वान के लिए मेरे पति को बचा लो

पहलगाम यह आतंकी हमला मशहूर बेताब वैली से 10 किमी दूर स्थित बैसरन

वैली में उस वक्त हुआ जब टूरिस्ट का एक ग्रुप घास पर घुड़सवारी का आनंद ले रहा है। आतंकी हमले के बाद सामने आए वीडियो में इस बात की पुष्टि हुई है कि हथियारबंद हमलावरों ने नाम पूछकर गोली मारी। हमले के बाद सामने आए वीडियो में आतंकवादियों की क्रुरता बयां हुई है। महिला ने वीडियो में बताया है कि महिला ने बताया कि आतंकियों ने नाम पूछा और गोली मार दी। इसी वीडियो में एक और महिला महिला बुरी तरह रो रही हैं और ये कह रही हैं कि भगवान के लिए मेरे पति को बचा लो। वीडियो में एक शख्स कहता है कि आप टेंशन मत लो, आप यहां पर रहो। ठीक है ठीक है हम बचा देंगे।

यूपीएससी सिविल सर्विस का फाइनल रिजल्ट जारी

● प्रयागराज की शक्ति दुबे बनी टॉपर, हर्षिता सेकेंड टॉपर ● टॉप 5 में 3 लड़कियां शामिल, मेरिट में 1009 कैंडीडेट्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपीएससी ने सिविल सर्विस एग्जाम 2024 का फाइनल रिजल्ट जारी कर दिया है। प्रयागराज की शक्ति दुबे ऑल इंडिया टॉपर बनी हैं। कुल 1009 कैंडीडेट्स का नाम मेरिट लिस्ट में शामिल है। मेरिट लिस्ट ऑफिशियल वेबसाइट पर रिलीज की गई है। यूपी के प्रयागराज की शक्ति दुबे ऑल इंडिया टॉपर बनी हैं। शक्ति ने इलाहाबाद यूनिवर्सिटी से बायोकेमिस्ट्री में ग्रेजुएशन किया है। परीक्षा में पॉलिटिकल साइंस और इंटरनेशनल रिलेशंस उसके ऑप्शनल सब्जेक्ट

थे। नंबर 2 पर हर्षिता गोयल रही हैं। हर्षिता शाह मूल रूप से हरियाणा की हैं और कई वर्षों से गुजरात के वडोदरा में रह रही हैं। हर्षिता का जन्म हरियाणा में हुआ। इसके बाद परिवार

गुजरात के वडोदरा आ गया। यहीं वो बड़ी हुईं। हर्षिता थैलेसीमिया और कैंसर से पीड़ित बच्चों के लिए अहमदाबाद के बीलीफ फाउंडेशन के साथ काम कर चुकी हैं। अर्चित ने वीआईटी, वेल्लोर से इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी (बी.टेक) की डिग्री ली है। उनका एक ऑप्शनल सब्जेक्ट फिलॉसफी (दर्शनशास्त्र) था। गुजरात टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद से कंप्यूटर इंजीनियरिंग में बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त शाह मार्गी चिराग ने समाजशास्त्र को वैकल्पिक विषय के रूप में लेकर चौथा स्थान हासिल किया है। दिल्ली से इंजीनियरिंग करने वाले आकाश गर्ग को पांचवां स्थान मिला है।

बहुत सारी नौकरियां चली जाएंगी, एआई पर 'सुप्रीम' चिंता

● कहा-भविष्य में ड्राइवर का काम एआई से होगा, इसके खतरनाक परिणाम होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के तेजी से हो रहे आविष्कार से तमाम सुविधाएं मिल रही हैं तो रोजगार से जुड़ी चिंताएं भी लोगों को सता रही हैं। इस चिंता में अब सुप्रीम कोर्ट भी शामिल हो गया है। अदालत ने मंगलवार को एक केस की सुनवाई के दौरान कहा कि भविष्य में ड्राइवर का काम एआई से होगा। इसके खतरनाक परिणाम होंगे और बड़े पैमाने पर लोग बेरोजगार हो सकते हैं।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एनके सिंह की बेंच ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए यह बात कही, जिसमें मांग की गई थी कि सरकार को इलेक्ट्रिकल वीकल्स की खरीद और उनके इस्तेमाल के लिए प्रोत्साहित करने वाली नीति बनाने को को कहा जाए। इसी दौरान अदालत ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के कारण ड्राइवरों के रोजगार पर भी असर पड़ेगा। अदालत ने कहा, हमारी चिंता यह है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से इन ड्राइवरों का रोजगार नहीं जाना चाहिए। भारत में ड्राइवर की नौकरी भी रोजगार का एक बड़ा माध्यम है। मजाकिया अंदाज में जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि एआई से तो वकीलों को भी टक्कर मिल रही है। ऐसे टूल आ गए हैं, जिनसे आप कोई भी कानूनी राय ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस तेजी से बढ़ती हुई तकनीक है। कुछ महीनों में ही कोई एक अच्छा मॉड्यूल आ जाता है। फिलहाल हम देख रहे हैं कि एआई

आधारित एडवोकेट टूल हैं। अमेरिका में तो इनका खूब इस्तेमाल हो रहा है। हमें भी वकीलों को लेकर चिंता होती है। बता दें कि भारत में भी बड़े-बड़े उद्योगपति इसे लेकर चिंता जताते रहे हैं। कॉन्टेंट राइटिंग, कंसल्टेंसी समेत कई ऐसे बिजनेस हैं, जिन पर एआई के चलते विपरीत प्रभाव पड़ने की आशंका जताई जा रही है। इलेक्ट्रिक कारों की खरीद की नीति को लेकर दायर पीआईएल के लिए प्रशांत भूषण पक्ष रख रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत में इलेक्ट्रिकल वीकल्स को तेजी से बढ़ावा देना होगा। ऐसा इसलिए क्योंकि दुनिया के 15 सबसे प्रदूषित शहरों में 14 तो भारत के ही हैं। उन्होंने कहा कि मेरी मांग है कि सरकार खुद ऐसी नीति लागू करे। उन्होंने कहा कि सरकार यदि आगे नहीं बढ़ेगी तो फिर दूसरे विभाग कैसे आगे आएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार को बेसिक इन्फ्रा मुहैया कराना चाहिए। प्रशांत भूषण ने कहा कि 400 किलोमीटर की दूरी पर इलेक्ट्रिक वीकल्स की चार्जिंग सेंटर मिलते हैं। अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमानी ने सरकार का पक्ष रखते हुए कहा कि हमें कुछ समय दिया जाए। फिर हम बताएंगे कि आखिर सरकार की इसे लेकर क्या नीति है। अदालत ने अब इस मामले की सुनवाई के लिए 14 मई की तारीख तय की है।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने परिवार समेत देखा आमेर फोर्ट

● वेंस ने कहा-भारत में मेरी पत्नी मुझसे बड़ी सेलिब्रिटी हैं

जयपुर (एजेंसी)। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भारत दौरे पर हैं। मंगलवार सुबह उन्होंने पत्नी उषा, बेटों विवेक, इवान और बेटी मीराबेल के साथ जयपुर का आमेर किला देखा। वे बेटी को गोद में लेकर घूमते हुए दिखे। वहीं, दोपहर को उन्होंने एक बिजनेस समिट को संबोधित करते हुए कहा कि मेरी पत्नी भारत में मुझसे बड़ी सेलिब्रिटी है। इसके साथ ही वेंस ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड समझौता जल्द होने के आसार हैं। इससे पहले वेंस मंगलवार सुबह जयपुर शहर से करीब 10 किमी दूर अरावली की पहाड़ियों पर स्थित आमेर किले में

जीप से पहुंचे। आमेर फोर्ट के जलेब चौक पर दो हाथियों (चंदा और पुष्पा) ने मेहमानों का स्वागत किया। लोक कलाकारों ने भी कच्छी घोड़ी, घूमर और कालबेलिया डांस कर उनका वेलकम किया। इसके बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने वेंस के परिवार से मुलाकात की। वेंस सेंड स्टोन, संगमरमर और पीले पत्थर से बने आमेर फोर्ट पर करीब डेढ़ घंटे रुके। उन्होंने फोर्ट में दीवान-ए-आम, गणेश पोल और मान सिंह महल देखा। इसके साथ ही वेंस के परिवार ने आमेर महल में स्थित विश्व प्रसिद्ध शीशमहल भी देखा। यह शीशमहल कीमती पत्थर और विदेशी कांच से बना है, सैकड़ों साल पहले इसके लिए बेल्जियम से कांच आयात किए गए थे। वेंस ने बेटी को गोद में लेकर फोर्ट को चारों तरफ से दिखाया।

निशिकांत दुबे के खिलाफ अगले हफ्ते सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

● कहा था-गृह युद्ध के लिए सीजेआई जिम्मेदार, याचिका की स्वीकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई को तैयार हो गया है। कोर्ट ने सुनवाई के लिए याचिका अगले सप्ताह लिस्ट करने को कहा है। हालांकि अभी तारीख तय नहीं की है। याचिका में सुप्रीम कोर्ट और चीफ जस्टिस के खिलाफ दिए भाजपा सांसद के बयानों के वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से हटाने की मांग की गई है। मामला जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजे मसीह की बेंच के सामने तुरंत सुनवाई के लिए रखा गया था। निशिकांत दुबे ने 19 अप्रैल को कहा था- देश में गृह युद्ध के लिए सीजेआई संजीव खन्ना और धार्मिक युद्ध भड़काने के लिए सुप्रीम कोर्ट जिम्मेदार है। दुबे सुप्रीम कोर्ट के राष्ट्रपति को विधेयकों पर फैसला लेने के लिए समय सीमा तय करने के फैसले पर बात कर रहे थे।

बिहार को मिलेगी नमो भारत और अमृत भारत हाई स्पीड ट्रेन की सौगात

पटना, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वंदे भारत, अमृत भारत और नमो भारत रैपिड रेल को आधुनिक भारतीय रेल की त्रिवेणी कहा है। इस त्रिवेणी की दो नई रेलगाड़ियां का परिचालन बिहार से होने वाला है। बिहार में पहले से ही कई वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन किया जा रहा है, जबकि एक अमृत भारतीय एक्सप्रेस का परिचालन पहले से दरभंगा और आनंद विहार टर्मिनल के बीच वाया अयोध्या किया जा रहा है। हाल ही में, रेलवे ने बिहार के लिए कई नई परियोजनाएं स्वीकृत की है। पर्याप्त फंड आवंटन से पुरानी परियोजनाओं के निर्माण काम में भी तेजी आई है जिसकी बदौलत परियोजनाएं तेजी से पूरी हो रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बिहार की ऐसी ही तीन परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित भी करने वाले हैं। नई गाड़ियों के परिचालन और नवनिर्मित परियोजनाओं के प्रारंभ होने से बिहार का रेल परिदृश्य पहले से और भी बेहतर हो जाएगा। परियोजनाओं में सुपौल पिपरा नई लाइन, खगड़िया अलौली नई लाइन और हसनपुर विथान नई लाइन शामिल हैं। इन नई लाइनों पर दो पैसेंजर गाड़ियों का परिचालन भी प्रारंभ किया जाएगा। लेकिन बिहार वासियों के बीच सबसे अधिक उत्साह नमो भारत रैपिड रेल और सहरसा से लोकमान्य तिलक के बीच प्रारंभ की जा रही है अमृत भारत एक्सप्रेस के परिचालन को लेकर है। नमो भारत रैपिड रेल वंदे भारत एक्सप्रेस के साथ ही ने भारत की नई पहचान बनी है।

कम दूरी के शहरों के बीच विश्वस्तरीय रेल सेवा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तैयार किए गए नमो भारत रैपिड रेल ने इंटरसिटी ट्रैवल के क्षेत्र में एक नया मुकाम गढ़ा है। पहले नमो भारत रैपिड रेल का परिचालन गुजरात के अहमदाबाद और भुज के बीच किया गया और अब दूसरी नमो भारत रैपिड रेल का परिचालन जयनगर और पटना के बीच किए जाने की घोषणा की गई है।

16 कोच वाली नमो भारत

पहले नमो भारत में जहां एयर कंडीशन्ड 12 कोच थे, वहीं बिहार की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए जयनगर-पटना नमो भारत रैपिड रेल में 16 कोचों की व्यवस्था की गई है। जिसमें 2000 से अधिक यात्री एक साथ सफर कर सकते हैं। नमो भारत रैपिड रेल जो मेड इन इंडिया कार्यक्रम के तहत बनाया गया है, कई नए सेफ्टी एवं पैसेंजर एमेनिटी फीचर से लैस है। इस ट्रेन में कवच सुरक्षा सिस्टम लगाया गया है।

सीसीटीवी और एडवांस टेक्नोलॉजी से लैस

सभी कोचों में सीसीटीवी तथा फायर डिटेक्शन सिस्टम भी इंस्टॉल किया गया है। आपातकालीन स्थिति में ट्रेन के मैनेजर से यात्री बात कर सकें, इसके लिए प्रत्येक कोच में आपातकालीन टॉकबैक सिस्टम भी लगाया गया है। वंदे भारत एक्सप्रेस की तर्ज पर नमो भारत रैपिड रेल में भी दोनों छोर पर लोको पायलट कैब लगाया गया है जिससे इंजन रिवर्सल की समस्या समाप्त हो गई है। इस ट्रेन में यात्रियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की एर्गोनॉमिकली डिजाइन सीटें लगाई गई है जो काफी कंफर्टेबल हैं।

नमो भारत में एडवांस वॉशरूम

ट्रेन में यात्रियों की सुविधा के लिए टाइप सी और टाइप ए चार्जिंग सॉकेट लगाए गए हैं। ट्रेन के सभी टॉयलेट्स को आधुनिक वैक्यूम आधारित बनाया गया है। दिव्यांगों के लिए अलग से फ्रेंडली शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। ट्रेन में ऑटोमेटिक दरवाजे और डस्ट प्रूफ शील्ड गैंगवे की व्यवस्था की गई है। ट्रेन में सेमी परमानेंट कपलर भी लगाए गए हैं। मेट्रो ट्रेन की तर्ज पर रेलवे ओपन लाइन में पहली बार हर कोच में रूट मैप इंडिकेटर की व्यवस्था की गई है जो यात्रियों को आने वाले स्टेशनों के संबंध में जानकारी देगी।

130 किमी / घंटे की रफ्तार से दौड़ेगी अमृत भारत

सहरसा से लोकमान्य तिलक टर्मिनस के लिए चलाई जाने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस देश की तीसरी अमृत भारत एक्सप्रेस है। पहले दो अमृत भारतीय एक्सप्रेस गाड़ियों का परिचालन दरभंगा से आनंद विहार टर्मिनल तथा मालदा टाउन से कर एम विश्वेश्वरैया टर्मिनल बेंगलुरू के बीच में किया जा रहा है। इस अमृत भारत एक्सप्रेस को 130 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार के हिसाब से डिजाइन किया गया है।

अमृत भारत एक्सप्रेस

इस आधुनिक ट्रेन का निर्माण मेड इन इंडिया अभियान के तहत इंटीग्रेटेड कोच फैक्ट्री, श्री पेरम्बूर, चेन्नई में किया गया है। ट्रेन में पुश एंड पुल टेक्नोलॉजी है जिससे गाड़ी को दोनों दिशाओं में चलाया जा सकता है। वंदे भारत की तरह की सुविधा इस नॉन एसी एक्सप्रेस में उपलब्ध कराई गई है। इसके सभी कोच स्लीपर और नॉन एसी अनरिजर्व्ड क्लास के होंगे।

बेटी के जन्म पर पौधे लगवाते हैं , अबतक 5 लाख लगवा चुके

पटना, एजेंसी। लोग खुली हवा में सांस ले सकें, इसके लिए ग्रीन पाठशाला काम कर रही है। ऑक्सीजन बचाओ हरित यात्रा अभियान के तहत राजेश कुमार सुमन इन दिनों पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे रहे हैं। वह किसी के घर बेटी के जन्म लेने पर उसके नाम से पौधा लगवाते हैं। पौधे का नाम भी बच्ची के नाम पर होता है, ताकि बच्ची की तरह पौधे की देखभाल भी हो सके। यही नहीं, बच्चों के जन्मदिन पर भी राजेश कुमार सुमन गिफ्ट के रूप में पौधे देते हैं। वे लोगों से अपील करते हैं कि जन्मदिन पर केक काटने के साथ ही पौधा गिफ्ट में दें। जब पौधे बड़े होंगे, तो हर साल उस जन्मदिन की याद आएगी। वह शादी में वर-वधू को पौधे ही गिफ्ट करते हैं। वे बताते हैं कि इस हरित यात्रा के तहत पांच लाख से अधिक पौधे लगा चुके हैं। राजेश कुमार सुमन अपनी पीठ पर पानी का खाली जार लेकर चलते हैं। इस जार में एक पौधा होता है, जिससे निकली पाइप को नाक तक लगाए रखते हैं। इसके माध्यम से वह संदेश देते हैं कि पौधे ऑक्सीजन देते हैं। अगर हमें प्रदूषण से बचना है, तो पौधरोपण करना होगा।

वरना, आने वाले समय में हर किसी को पीठ पर ऑक्सीजन सिलेंडर लेकर चलना होगा। उन्होंने साल 2008 में इस अभियान की शुरुआत की थी। अब तक करीब 25 राज्यों में 80 हजार किलोमीटर की यात्रा कर लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक कर चुके हैं। पर्यावरण भारती भी इस काम में जुटी पर्यावरण भारती बिहार के अलग-अलग स्थानों पर पर्यावरण संरक्षण को लेकर काम कर रही है। इसकी शुरुआत अजीत कुमार सिन्हा ने 2008 की है। यह संस्था पटना, जमुई, लखीसराय, कैमूर, आरा, बक्सर, वैशाली, मुजफ्फरपुर, खगड़िया, गया, सासाराम, नवादा सहित अन्य स्थानों पर अभियान चला रही है।

बालू घोटाला : खनन अधिकारी ने ठेकेदारों का 33 करोड़ का जुर्माना 33 लाख में सेट किया, अब गिरी गाज

पटना, एजेंसी। गया जिले के चार बालू घाट संवेदकों से दो साल पुराने मामले में 30.69 करोड़ रुपये जुर्माना की वसूली होगी। साथ ही जुर्माना राशि को 33 लाख तक घटा देने वाली आरोपित तथा निलंबित जिला खनन पदाधिकारी निधि भारती के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही होगी। सोमवार को खान एवं भूतत्व विभाग के मंत्री सह उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने विभागीय कक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि खान आयुक्त के न्यायालय ने स्वतः-संज्ञान लेते हुए फरवरी से जून 2023 के बीच गया के चार बालू क्लस्टर खिजरसराय, बैजूधाम, बनाही एवं महुआमा और विष्णुबिगहा में बालू उत्खनन की जांच कराई थी।

जिसमें मिली अनियमितता के बाद खिजरसराय बालूघाट के संचालक मेसर्स जय भगवती माइंस पर करीब 19.35 करोड़, बैजूधाम बालूघाट के संचालक रंजीत कुमार पर 8.14 करोड़, बनाही एवं महुआमा बालूघाट के संचालक मेसर्स मलिक ट्रांसपोर्ट पर करीब 3.28 करोड़ और विष्णु विगहा बालूघाट के संचालक रामजी प्रसाद सिन्हा पर 48.83 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था। जुर्माने के खिलाफ घाट संवेदक हाईकोर्ट भी गये, लेकिन सभी मामलों में परिवाद अमान्य करार दिए गए। मंत्री ने बताया कि गया की तत्कालीन खनिज विकास पदाधिकारी निधि भारती ने उस वर्ष मानसून के बाद अधिरोपित जुर्माना की राशि को आश्चर्यजनक रूप से संशोधित कर बेहद कम मात्र 33 लाख कर दिया। यह राजस्व सग्रहण को प्रभावित करने के साथ ही नियमों की भी प्रत्यक्ष अवहेलना का मामला है। मामला संज्ञान में आते ही नवंबर 2024 में खान निदेशक की अध्यक्षता में समिति गठित कर मामले की पुनः जांच शुरू की गयी। इस समिति ने दिसंबर 2024 में अपनी रिपोर्ट दी।

राज्य में बंद पड़ी जलापूर्ति योजना को 24 घंटे में दुरुस्त करें अधिकारी : मंत्री

पटना, एजेंसी। लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण मंत्री नीरज कुमार सिंह ने राज्य में खराब एवं बंद जलापूर्ति योजनाओं को 24 घंटे में दुरुस्त कर चालू करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि जीरो ऑफिस डे अभियान चलाकर सभी 19,751 जलापूर्ति योजनाओं का निरीक्षण कराया गया है। इनमें 19,402 योजनाएं क्रियाशील मिली हैं। 84 योजनाओं में आंशिक तकनीकी या संचालन संबंधी कमियां मिली हैं। 345 योजनाएं बंद हैं। इन बंद योजनाओं में से 155 को तत्काल चालू कराया गया है। अबतक 19,557 योजनाएं चालू हो गई हैं। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित कार्यपालक अभियंताओं को जांच में असंतोषजनक और बंद स्थिति में पाई जाने वाली सभी योजनाओं को 24 घंटे के भीतर पूरी तरह दुरुस्त करने का निर्देश दिया गया है। जलापूर्ति योजना से संबंधित किसी भी कमी का समाधान तय समयसीमा में किया जाना अनिवार्य है। इसकी अद्यतन स्थिति को विभागीय प्रबंधन सूचना (एमआईएस) पर दर्ज करना सुनिश्चित किया गया है। अभियान के दौरान पेयजल ऐप और विभागीय प्रबंधन सूचना प्रणाली के माध्यम से योजनाओं की निगरानी की गई है। इससे निरीक्षण प्रक्रिया अधिक पारदर्शी होगी।

पाटलिपुत्र यूनिवर्सिटी में 25 मई से शुरू होगा एडमिशन

1 लाख 20 हजार सीटों पर होगा नामांकन, 30 जून तक स्टूडेंट्स कर सकते हैं अप्लाई

पटना, एजेंसी। पाटलिपुत्र यूनिवर्सिटी में नए सत्र 2025-2029 स्नातक में नामांकन की प्रक्रिया 25 मई से शुरू होगी। यह नामांकन 1 लाख 20 हजार सीटों के लिए होगा। यह नामांकन चार वर्षीय च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम के तहत होगी। स्नातक फर्स्ट सेमेस्टर 2025-2029 के लिए नामांकन की आखिरी तारीख 30 जून है। इसके लिए कुलपति प्रो शरद कुमार यादव की अध्यक्षता में नामांकन कमेटी की बैठक में स्वीकृति प्रदान कर दी थी। वहीं, 4 जुलाई से नए सत्र शुरू कर दिया जाएगा।

30 अप्रैल को खत्म होगा सेकंड सेमेस्टर का क्लास

स्नातक के सेकंड सेमेस्टर सत्र 2024-28 का क्लास 30 अप्रैल को समाप्त हो जाएगा और 2 जून से परीक्षा शुरू हो जाएगी। वहीं, स्नातक थर्ड सेमेस्टर 2024-28 का क्लास 1 जुलाई से शुरू होगा जो की 2 नवंबर तक चलेगा। इसकी परीक्षा 1 दिसंबर से शुरू होगी। इसके साथ ही स्नातक फर्स्ट सेमेस्टर 2025-2029 के लिए क्लास 4 जुलाई से शुरू होकर 22 नवंबर तक चलेगी। इसकी परीक्षा 1 दिसंबर से होगी।

एकेडमिक कैलेंडर के अनुसार ही होंगे सभी काम

दरअसल, पीपीयू के एकेडमिक कैलेंडर के अनुसार ही सभी काम किए जाएंगे। कुलपति ने एकेडमिक कैलेंडर तैयार कर राजभवन और सरकार को भी भेजा दिया था। शैक्षणिक सत्र को लगातार अपडेट रखते हुए नए सत्र में भी तय सीमा के अंदर सभी परीक्षाएं आयोजित कराने का लक्ष्य रखा गया है। इस एकेडमिक कैलेंडर में प्रवेश, परीक्षा के समय की भी घोषणा कर दी गई है।

तेज रफ्तार वाहन ने छात्र को मारी टक्कर, मौतःवैशाली में घर से कॉलेज के लिए निकला था ; ऑटो से उतरते ही कुचला

हाजीपुर (वैशाली), एजेंसी। वैशाली के राजापाकर थाना क्षेत्र में एक तेज रफ्तार अज्ञात ने कॉलेज जा रहे एक छात्र को टक्कर मार दिया। इस हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे स्थानीय लोगों की मदद से राजापाकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया और घटना की जानकारी राजापाकर थाने की पुलिस को दी गई। वहीं अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान अलीपुर रविदास चौक निवासी रंजीत दास के पुत्र बबलू कुमार के रूप में हुई है। मृतक के परिजनों ने बतया कि बबलू घर से कॉलेज जाने के लिए निकला था। जहां वह रविदास चौक पर टेंपू से उतरा था। इसी दौरान एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। वहीं अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

वाहन की तलाश जारी

पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। वहीं अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है।

चिराग इस बार विधान सभा का चुनाव लड़ सकते हैं: अरुण भारती

पटना, एजेंसी। लोजपा (आर) के जमुई से सांसद और चिराग पासवान के जीजा अरुण भारती ने कहा है कि अगर पार्टी आदेश करेगी तो केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान इस बार विधान सभा का चुनाव लड़ सकते हैं। उन्होन कहा कि पार्टी के कार्यकर्ताओं और समर्थकों की आकांक्षा है कि चिराग बिहार में बड़ी जिम्मेदारी संभालें। अरुण भारती सोमवार को पटना एयरपोर्ट पर मीडिया से बात कर रहे थे। उन्होने कहा कि चिराग की बिहार में बड़ी जिम्मेदारी संभालने की बात गठबंधन के बीच भी होगी, इसके बाद ही कोई फैसला होगा। आपको बता दें इससे पहले रविवार को युवा लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की राज्य कार्यकारिणी समिति की बैठक हुई। इसमें पदाधिकारियों ने कहा कि युवा लोजपा-रा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान को मुख्यमंत्री बनाने के लिए कृत संकल्पित है। समिति की बैठक में युवा लोजपा आर के प्रदेश अध्यक्ष वेद प्रकाश पांडेय ने कहा कि चिराग पासवान के बिहार फर्स्ट-बिहारी फर्स्ट के विजन को जन-जन तक हमलोग पहुंचाएंगे। उन्होंने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान को 2025 में बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने का निमंत्रण भी दिया है। साथ ही चिराग पासवान से मांग की है कि युवाओं को 15 सीटों पर वह चुनाव लड़ाएं। इससे पहले हाल ही चिराग भी कह चुके हैं कि वह ज्यादा समय तक केंद्र की राजनीति में नहीं रहना चाहते और उनको बिहार बुला रहा है। उनके लिए सांसद बनने से ज्यादा महत्वपूर्ण एक विधायक की भूमिका होगी। ये फैसला आने वाले दिनों में पार्टी को ही लेना है। मेरा राजनीति में आने का कारण ही बिहार और बिहारी रहे हैं। राज्य में रहकर बिहार के लिए ज्यादा काम कर सकूं। बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट की सोच को धरातल पर उतार सकूं। आपको बता दें चिराग पासवान हाजीपुर से सांसद हैं।

मवेशी चोरी का आरोपित गिरफ्तार

भागलपुर, एजेंसी। बीते दिनों नाथनगर थाना क्षेत्र के चंपानगर की रहने वाली महिला चंदा देवी ने अपने सूअर की चोरी करने का केस श्याम हरि के खिलाफ दर्ज कराया था। मामला सत्य पाए जाने पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इंस्पेक्टर राजीव रंजन सिंह ने बताया कि अभियुक्त को सोमवार के दिन जेल भेज दिया गया है। चोरी हुआ मवेशी भी पीड़िता को वापस कराया गया है।

केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने कॉमन स्कूल सिस्टम पर सरकार की मंशा पर खड़े किए सवाल

मांझी बोले- सरकार की नीयत में ही खोट है, नीतीश कुमार सीएम हैं और आगे भी रहेंगे

गया, एजेंसी। गया के खरखुरा में केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने कॉमन स्कूल सिस्टम पर सरकार की मंशा पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि आखिर किससे डर से इसे लागू नहीं किया जा रहा। सरकार की नीयत में ही खोट है। तभी समान शिक्षा का सपना अब तक अधूरा है। न पिछली सरकारों में हिम्मत थी और न ही मौजूदा सरकार में। सीएम फेस के सवाल पर उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव इंडी गठबंधन के संयोजक हो सकते हैं, लेकिन मुख्यमंत्री नहीं। बिहार में सीएम पद की कोई वैकेंसी नहीं है। नीतीश कुमार ही सीएम हैं और आगे भी रहेंगे। 2025 में एनडीए की अगुवाई में 225 जीतकर सरकार बनाएंगे। हम एनडीए में हैं। बैठकर हमलोग तय करेंगे कि कौन कहां से चुनाव लड़ेगा। हमारी पार्टी की पूरी तैयारी है। हमारे कार्यकर्ता बोलते हैं कि कम से कम 40 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहिए। अगर 20 सीट पर भी हमलोग जीत गए तो, सीएम रहने के दौरान जो हमने कहा था उसे पूरा कराएंगे।

मुस्लिम संस्थानों में गैर मुस्लिम क्यों ?

समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी वक्फ कानून पर भी खुलकर बोले। उन्होंने कहा कि हां मुझे उस प्रावधान पर आपत्ति है, जिसमें गैर मुस्लिमों के प्रवेश की बात है। जब हिंदू मठों में गैर हिंदू नहीं हो सकते हैं तो फिर मुस्लिम संस्थानों में गैर मुस्लिम क्यों। हम इसके खिलाफ अंतिम सांस तक लड़ेंगे। सरकार से कहेंगे, यह एकतरफा है। इसे संशोधित किया जाना चाहिए। वहीं, आरजेडी नेता प्रो. चंद्रशेखर के पाखंडियों वाले बयान कहा -वो विद्वान जरूर हैं। लेकिन हमारे बारे में जो कहा है उसे सुधार लें या हम उसे स्पष्ट कर देते हैं। हम मंदिर-मस्जिद में पूजा करने नहीं, बल्कि भावनाओं का सम्मान करने जाते हैं। किसी की भावना का आदर करना रूढ़िवादिता नहीं है।

भोजपुरी गायिका अनुपमा यादव पर धोखाधड़ी का केस

सासाराम (रोहतास), एजेंसी। रोहतास के धर्मपुरा थाने में भोजपुरी गायिका अनुपमा यादव के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। इस मामले में करगहर पूर्वी के जिला परिषद सदस्य महावीर साह ने शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के अनुसार, हनुमान जयंती के मौके पर धर्मपुरा गांव में कार्यक्रम के लिए अनुपमा यादव से डेढ़ लाख रुपए में करार हुआ था। जिसे लेकर एडवांस के रूप में पहले उनके एजेंट ने 36 हजार रुपए लिए। बाद में अनुपमा यादव ने खुद 25 हजार रुपए और लिए।कार्यक्रम में बिहार सरकार के मंत्री केदार गुप्ता, पूर्व मंत्री जयकुमार सिंह, एमएलसी राधाचरण सेठ समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे। लेकिन अनुपमा यादव कार्यक्रम में नहीं पहुंचीं और न ही एडवांस के पैसे वापस किए। धर्मपुरा थाने में केस नंबर 48/2025 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। गौरतलब है कि अनुपमा यादव भोजपुरी की जानी-मानी गायिका हैं। उन्होंने कई फिल्मों और एल्बम में गाने गाए हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान वह पवन सिंह के चुनावी अभियान में भी शामिल हुई थीं।

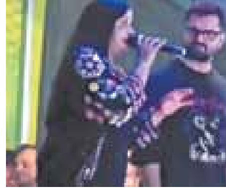

संक्षिप्त समाचार

सेमरा घाट पर दर्दनाक हादसाः नहाने गए दो मासूम बच्चों की डूबने से मौत, गांव में पसरा मातम

बीएनएम। मोतिहारी। जिला के मेहसी थाना क्षेत्र अंतर्गत सेमरा घाट पर मंगलवार की दोपहर एक हृदयविदारक हादसा हो गया, जब चकनगरी गांव के दो मासूम बच्चों की नहाने के दौरान गहरे पानी में डूबने से मौत हो गई। मृतकों की पहचान मोहम्मद मुस्तकीम के 12 वर्षीय पुत्र सगीर आलम एवं जमालुद्दीन अंसारी के 13 वर्षीय पुत्र सैफ आलम के रूप में हुई है। घटना दोपहर लगभग 2:30 बजे की है, जब गांव के कुछ बच्चे निर्माणाधीन पुल के समीप बूढ़ी गंडक नदी में नहाने गए थे। थानाध्यक्ष सानू गौरव ने बताया कि नहाने के क्रम में ये दोनों बच्चे गहरे पानी में चले गए और डूब गए। बच्चों के डूबने की जानकारी मिलते ही अफरातफरी मच गई। स्थानीय ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत मेहसी थाना को सूचना दी। पुलिस मौके पर बच्चों की तलाश शुरू किया। ग्रामीणों की मदद से दोनों बच्चों के शव बरामद कर लिए गए। घटना की पुष्टि करते हुए थाना अध्यक्ष श्री गौरव ने बताया कि शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी सदर अस्पताल भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। इस दर्दनाक हादसे ने चकनगरी गांव को गमगीन कर दिया है। दोनों बच्चों के घरों में कोहराम मच गया है। परिजन बदहवास हैं और गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। एक साथ दो बच्चों की मौत ने पूरे क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया है।

स्नातक तृतीय सेमेस्टर की परीक्षा शांतिपूर्ण समाप्त

बीएनएम। मोतिहारी। बी.आर.ए बिहार विश्वविद्यालय, मुज़फ्फरपुर के तत्वावधान में स्नातक (सी.बी.सी.एस) तृतीय सेमेस्टर, सत्र -2023-27 की परीक्षा दिनांक- 03/04/2025 से प्रारंभ है। दिनांक - 22/04/2025 को परीक्षा के बारहवें और अंतिम दिन मुंशी सिंह महाविद्यालय, मोतिहारी परीक्षा केंद्र पर पहली पाली में 'कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम'(SEC) विषय की परीक्षा हुई। इस पाली में उपस्थित परीक्षार्थियों की संख्या 2043 रही। परीक्षा कदाचार मुक्त एवं शांतिपूर्ण रूप से सम्पन्न हुई। यह जानकारी मुंशी सिंह महाविद्यालय, मोतिहारी के सहायक परीक्षा नियंत्रक डॉ. मनोहर कुमार श्रीवास्तव के हवाले से मुंशी सिंह महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. गौरव भारती ने दी है।

एचपीसीएल बॉटलिंग प्लांट में आगजनी से बचाव हेतु किया गया मॉक ड्रिल

बीएनएम। मोतिहारी। एचपीसीएल चंपारण एलपीजी बॉटलिंग प्लांट, हरसिद्धि में एक व्यापक अग्निशमन मॉक ड्रिल का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह अभ्यास टैंक ट्रक गैण्ट्री क्षेत्र में एलपीजी रिसाव और संभावित आगजनी की स्थिति से निपटने हेतु किया गया, जिसमें सभी संबंधित विभागों और आपातकालीन सेवाओं की भागीदारी रही। मॉक ड्रिल के परिदृश्य के अनुसार, एक टैंक ट्रक के मैनिफोल्ड वॉल्व से एलपीजी का रिसाव हुआ, जिससे गैण्ट्री क्षेत्र में आग लग गई। घटना की सूचना मिलते ही प्लांट की फायर फाइटिंग टीम ने तत्परता से प्रतिक्रिया दी और आग पर समय रहते नियंत्रण पाया गया। इस अवसर पर अनेक विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे, जिनमें अरुण कुमार (एसडीएम अरेराज), अरविंद कुमार (सीओ हरसिद्धि), मनोज कुमार (बीडीओ हरसिद्धि), एसके सिन्हा (एसएचओ हरसिद्धि), रामाशंकर ठाकुर एवं उनकी टीम (बिहार फायर सर्विस, अरेराज) डॉ. सुनील कुमार एवं पीएचसी हरसिद्धि स्वास्थ्य टीम, दिवाकर पांडेय एवं पीयूष शरण, सेफ्टी टीम एचबीएल सुगौली, उज्ज्वल प्रकाश (आरसीएम एचपीसीएल चंपारण), अर्जुन सिंह (को-ऑर्डिनेटर मकीन), अभिनव पांडेय (प्लांट मैनेजर एचपीसीएल चंपारण), प्रशांत सिंह (सेफ्टी ऑफिसर एचपीसीएल चंपारण), मयुख, आशुतोष कुमार, सिद्धार्थ शर्मा, राहुल रौशन एवं एचपीसीएल चंपारण की समस्त टीम शामिल रहे। इस मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया, विभागों के बीच समन्वय और कर्मचारियों की तैयारियों का मूल्यांकन करना था। एचपीसीएल सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है और इस प्रकार के अभ्यास समय-समय पर करता रहता है ताकि किसी भी संभावित आपदा से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके।

डॉक्टर की लापरवाही से सुगौली नगर परिषद के वार्ड पार्षद प्रतिनिधि की हुई मौत

बीएनएम। मोतिहारी। जिला के सुगौली नगर पंचायत के वार्ड पार्षद पति सह सुगौली नगर के राजद अध्यक्ष मुस्ताक आलम (45) की मौत हो गई। बताया गया कि वे पथरी के ऑपरेशन के मोतिहारी के एक निजी क्लिनिक में भर्ती हुए थे। जहां उनका दो दिन पूर्व ऑपरेशन हुआ था। सोमवार देर रात करीब डेढ़ बजे उनकी तबीयत अचानक बिगड़ने लगी।जिसके बाद उनके परिजनों ने डॉक्टर और कंपाउंडर को खोजा। लेकिन अस्पताल में कोई मौजूद नही था।जिसके बाद उनकी हालत बिगड़ने लगी।मंगलवार अहले सुबह इलाज के अभाव में उन्होने दम तोड़ दिया। मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल में जमकर हंगामा किया।जिसके बाद अस्पताल के सभी कर्मी मौके से फरार हो गये।परिजनों का आरोप है कि इतने बड़े अस्पताल में रात में कोई डॉक्टर मौजूद नहीं था। इसलिए समय पर इलाज नहीं मिल सका। घटना की सूचना के बाद सुगौली में शोक व्याप्त है।लोगो ने बताया मुस्ताक बेहतरीन और नेकदिल इंसान समाज की सेवा के वे सदैव तत्पर रहते थे। लोगो ने अस्पताल की भूमिका की जांच करने की मांग की है। इधर परिजनो के आरोप के बाद अस्पताल प्रबंधन की ओर से कोई प्रतिक्रिया नही आई है।

जेई जैसे गंभीर बिमारियों से बच्चों को सुरक्षित करता है नियमित टीकाकरण

» बच्चों से प्रेम व अभिभावकों से कुशल व्यवहार है इनकी पहचान

» सदर अस्पताल में प्रतिदिन 70-80 बच्चों को टीका लगाती है हेड नर्स मीरा सिन्हा

» बच्चों को गर्मी व तेज धूप से बचाने एवं रात में हल्का मीठा खिलाने का देती है सीख

बीएनएम। मोतिहारी

जिला के सदर अस्पताल मोतिहारी के मदर एंड चाइल्ड केयर बिल्डिंग में बच्चों के टीकाकरण केंद्र में तैनात हेड नर्स मीरा सिन्हा कई वर्षों से टीकाकरण केंद्र में नियमित सेवाएं दे रहीं है एवं नियमित टीकाकरण के लाभ अभिभावकों को बताती है। टीकाकरण केंद्र पर आए हुए माताओं क्रो शिशु की देखभाल, उचित खानपान के साथ ही समय पर टीकाकरण की सलाह देती है ताकि बच्चे कई गंभीर बीमारियों के प्रति सुरक्षित हो सकें। हेड नर्स मीरा सिन्हा ने बताया की की सदर अस्पताल के टीकाकरण केंद्र में प्रतिदिन 70-80 बच्चों क्रो टीकाकरण किया जाता है। जिनमें ओरल पोलियो, हेपेटाइटिस बी, बीसीजी आम है। उन्होंने बताया की अभी गर्मियों के मौसम में बच्चों में पानी की कमी हो सकती है इसलिए बच्चों क्रो गर्मी व तेज धूप में निकलने से एवं खेलने से रोकना चाहिए। अभी के समय में एईएस/जेई का भी प्रकोप बना रहता है इसलिए इस गंभीर रोग से बचाने के लिए बच्चों की सेहत पर ध्यान रखना चाहिए। उन्हें नियमित तौर पर हल्का आहार देना चाहिए, ओआरएस का घोल पिलाना चाहिए, रात में हल्का मीठा खिलाने चाहिए। रात में उठकर बच्चों क्रो देखना चाहिए की बच्चों में बुखार या कोई दिक्कत तो नहीं है। वहीं बुखार या आसमान्य लक्षण दिखे तो तुरंत ऐसे बच्चों क्रो सरकारी अस्पताल में डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। सदर अस्पताल बच्चों के टीकाकरण के लिए आए मिट्ठू कुमार ने बताया की मीरा सिन्हा का बच्चों से प्रेम व अभिभावकों से कुशल व्यवहार व लगाव के कारण इन्हे जिले भर के लोगों में इनकी पहचान बनी हुई है। मीरा सिन्हा बताती है की इन्होंने कोरोना काल में भी सरकारी पदाधिकारियों का टीकाकरण किया था।

समय पर टीकाकरण का देती है सीखः - हेड नर्स ने बताया कि बच्चों के जन्म के बाद उनको कई तरह की बीमारियों से सुरक्षित रखने के लिए टीकाकरण कराया जाना जरूरी होता है। टीकाकरण से बच्चों के शरीर के अंदर रोग प्रतिरोधक क्षमता का विकास होता है जिससे वे विभिन्न प्रकार की बीमारियों से सुरक्षित होते हैं। बच्चों के नियमित टीकाकरण से वे जल्दी किसी भी बीमारी की चपेट में नहीं आते हैं। समय पर टीकाकरण नहीं कराने वाले बच्चों के बीमार होने का खतरा अधिक होता है, ऐसे बच्चे बार- बार बीमार होकर कमजोर व कुपोषित हो जाते हैं जिसका असर उनके शरीर एवं मन पर पड़ता है।बच्चों के लिए जरूरी होता है। खसरा, टिटनस, पोलियो, क्षय रोग, गलघोंटू, काली खांसी और हेपेटाइटिस बी जैसे रोगों से बचने के लिए समय पर टीकाकरण जरूरी है। कुछ टीके गर्भवती महिलाओं को भी लगाए जाते हैं, जिससे उन्हें व होने वाले शिशु को टिटनस व अन्य गंभीर बीमारियों से बचाया जा सके। बच्चों को जुकाम, बुखार होने पर उन्हें टीका न लगवायें।

सुरक्षा के लिए ये टीके लगवाने होते हैं जरूरीः

- » **बच्चे के जन्म लेते ही उन्हें**- ओरल पोलियो, हेपेटाइटिस बी, बीसीजी
- » डेढ़ महीने बाद – ओरल पोलियो-1, पेंटावेलेंट-1, एफआईपीवी-1, पीसीवी-1, रोटा-1
- » ढाई महीने बाद – ओरल पोलियो-2, पेंटावेलेंट-2, रोटा-2
- » साढ़े तीन महीने बाद – ओरल पोलियो-3, पेंटावेलेंट-3, एफआईपीवी-2, रोटा-3, पीसीवी-2
- » 9 से 12 माह मे मीजल्स-रुबेला 1, जेई 1, पीसीवी-बूस्टर, विटामिन ए
- » **16 से 24 माह में** - मीजल्स-रुबेला 2, जेई 2, बूस्टर डीपीटी, पोलियो बूस्टर, जेई 2 का टीका जरुरी होता है।

ट्रैक्टर की ट्रॉली से दबकर बाइक सवार पति की मौत,बाल-बाल बची पत्नी और बच्ची

बीएनएम। मोतिहारी

सुगौली-रक्सौल रेल मार्ग में शीतलपुर रेलवे ढाला के समीप में रेल लाइन पार कर रहे ट्रैक्टर के ट्रेलर से दब जाने से बाइक सवार एक की मौके पर हीं मौत हो गई। वहीं साथ में बाइक पर सवार पत्नी और बेटी बाल-बाल बच गई। मृतक पलनवा थाना क्षेत्र के बस्टी निवासी जोखू खान का पुत्र फैयाज खान(30) बताया गया है। परिजन के अनुसार मृतक अपने ससुराल जगदीशपुर से अपनी पत्नी शबनम खातून और पुत्री अलिफ़ा के साथ बाइक से सुगौली थाना क्षेत्र के नकरदेई में ब्याही अपनी छोटी साली के ससुराल जा रहा था। जब वह शीतलपुर रेल ढाला के नजदीक पहुंचा तभी उसके चल रहे गिट्टी लदी ट्रैक्टर जो रेल लाइन पार कर रहा था लेकिन ट्रेक्टर पर अधिक गिट्टी लदी होने के कारण वह चढ़ सका और पीछे की तरफ लुढक गया,जिसके पीछे चल रहे बाइक सवार ट्रेक्टर की ट्राली से दब कर मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद आसपास के लोगो की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लोगो ने ट्रेक्टर चालक को पकड़ लिया और घटना की सूचना पुलिस को दी।सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगो की पिटाई से घायल चालक को अभिरक्षा मे लिया। जबकि शव पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज रही है। परिजनो ने बताया कि मृतक अपने माता-पिता का एकलौता पुत्र था। उसे तीन बच्चे हैं।घटना के बाद परिजनो में कोहराम मचा है।

यूजीसीबीसीएस थर्ड सेमेस्टर की परीक्षा शांतिपूर्ण समाप्त

बीएनएम। मोतिहारी

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर के निर्देशानुसार शहर के एलएनडी कॉलेज परीक्षा केंद्र पर सत्र 2023-27 के चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में थर्ड सेमेस्टर की परीक्षा 3 अप्रैल 2025 से प्रारंभ होकर शांतिपूर्ण व स्वच्छ वातावरण में संचालित होते हुए मंगलवार को समाप्त हो गई। एलएनडी कॉलेज के केंद्राधीक्षक प्रो.(डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि कदाचार मुक्त परीक्षा के लिए सदा सुप्रसिद्ध यह परीक्षा केंद्र परीक्षा संबंधी आचार संहिताओं के अनुकूल परीक्षा आयोजित करती रही है। परीक्षा नियंत्रक डॉ. कुमार राकेश रंजन के अनुसार अंतिम दिन मंगलवार को प्रथम पाली के स्किल इनहांसमेंट कोर्स की रचनात्मक लेखन परीक्षा में कुल आवंटित 877 परीक्षार्थियों में 860 उपस्थित व 17 अनुपस्थित रहे। द्वितीय पाली में कोई परीक्षा नहीं थी। पूरी परीक्षा अवधि में निष्कासित परीक्षार्थियों की कुल संख्या शून्य रही। एलएनडी कॉलेज के हिंदी सहायकाचार्य डॉ. रविरंजन सिंह ने कहा कि अंतिम दिन रचनात्मक लेखन पत्र की परीक्षा में निर्धारित पाठ्यक्रम से ही प्रश्न पूछे गए थे। अपेक्षित अध्ययन करने वाले परीक्षार्थियों को गद्य, पद्य, फीचर लेखन, शब्द शक्ति, भाषिक भंगिमाएं व काव्यशास्त्रीय आलोचनाएं इत्यादि टापिक्स पर उम्मीद के अनुरूप ही सहज प्रश्न पूछे गए थे। इस परीक्षा के सफल संचालन में सहायक केंद्राधीक्षक प्रो.अरविंद कुमार व डॉ.जौवाद हुसैन, डॉ. सुबोध कुमार, डॉ. दुर्वादल भट्टाचार्य, प्रो. दुर्गेश मणि तिवारी, डॉ.दीपक कुमार, डॉ.रविरंजन सिंह, डॉ.प्रभाकर कुमार, डॉ.अनिता कुमारी, डॉ.बबीता कुमारी, डॉ.किरण शुक्ला, अखिलेश कुमार, आलोक कुमार पांडेय, रामानंद यादव सहित सभी वीक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। जिला प्रशासन द्वारा प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी दिनेश कुमार ओझा व आरक्षी कुमारी किरण सिन्हा व कुमारी कविता भी अपने कर्तव्य निर्वहन पर मुस्तैद रही।

महिला संवाद कार्यक्रम सफलतापूर्वक हुआ संपन्न

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के 27 प्रखंडों में जीविका ग्राम संगठन के माध्यम से 18 अप्रैल से प्रतिदिन महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। महिला संवाद कार्यक्रम में जिले की महिलाएँ एवं दीदियाँ पूरे जोश के साथ शामिल हो रहीं हैं। जीविका दीदियों के अलावा अन्य महिलाएं भी अपने-अपने अनुभव साझा कर रही हैं और अपनी आकांक्षाओं को सरकार के सामने रख रही हैं। इस कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के संदेश पत्र को पढ़ कर सुनाने के साथ-साथ अन्य ग्रामीणों में वितरित भी किया जा रहा हैं। इसके अलावा सरकारी योजनाओं की जानकारी से भरा लीफ़लेट भी प्रदान किया जा रहा है। महिला संवाद कार्यक्रम के अंतर्गत योजनाओं के प्रति जागरूक करने के लिए सरकारी योजनाओ पर फिल्म का प्रदर्शन भी महिला संवाद रथ के माध्यम से किया जा रहा है। इसके तहत पूर्वी चंपारण जिले के सभी प्रखंडों में महिला संवाद कार्यक्रम आयोजन सुबह 09.00 से 11.00 बजे एवं शाम 04.00 से 06.00 बजे तक प्रतिदिन विभिन्न पंचायतो में जीविका के 56 ग्राम संगठनों में महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। मंगलवार को जिला के घोड़ासहन प्रखंड स्थित लौखन पंचायत के मिलन ग्राम संगठन व पूजा ग्राम संगठन कदमवा, चिरैया प्रखंड के हरनरयना पंचायत के धरती जीविका महिला ग्राम संगठन एवं रायपुर पंचायत के उजाला जीविका महिला ग्राम संगठन में महिला संवाद कार्यक्रम आयोजित की गई। इसमें महिला संवाद वाहन में लगे एलईडी डिस्प्ले के माध्यम से ग्रामीणों को राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पर बनी फिल्मो को दिखाया गया है तथा उन तमाम योजनाओ की जानकारी दी जा रही है। विडियो में महिलाओं के लिए आरक्षण, बिहार राज्य महिला सशक्तीकरण नीति, नशामुक्ति अभियान, जीविका कार्यक्रम, सतत जीविकोपार्जन योजना, मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना, मुख्यमंत्री बालिका पोषक योजना, सायकिल योजना, मुख्यमंत्री बालिका प्रोत्साहन योजना, किशोरी स्वास्थ्य कार्यक्रम, बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, मुख्यमंत्री मेधावृत्ति योजनाओं के बारे में जानकारी है. इसके साथ साथ अक्षर आँचल योजना, मुख्यमंत्री नारी शक्ती योजना, अल्पावास गृह, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना समेत सरकार की कुल 31 योजनाओं की जानकारी दी जा रही है. कार्यक्रम में ग्रामीण जन विशेषकर महिलाएं बहुत उत्साह पूर्वक भाग ले रही हैं। विडियो प्रदर्शन के बाद खुले तौर पर संवाद स्थापित किया जा रहा है। संवाद के दौरान अनेक ग्रामीण महिलाओं ने अपने विकास की बात करते हुए सरकार से अपनी आकांक्षा साझा कर रही हैं। कार्यक्रम में अपनी बात रखते हुए घोडासहन प्रखंड के जीविका के प्रखंड परियोजना प्रबंधक अतुल मोहन झा ने कहा कि महिला संवाद कार्यक्रम का सबसे बड़ा उद्देश्य आप सभी तक सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाना तथा आप सबों की आकांक्षाओं को जानने का है | अब तक जिले में कुल 252 जीविका ग्राम संगठनों में यह कार्यक्रम हो चूका है जिसमे लगभग 65 हज़ार से अधिक दीदियाँ अपने अनुभव और अपेक्षाऐ साझा कर चूँकि हैं।

आपका शहर आपकी बात कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

मंगलवार को "आपका शहर आपकी बात" कार्यक्रम का आयोजन नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत वार्ड संख्या 32 के पंचायत भवन मंजूराहा में किया गया। इस अवसर पर नगर निगम मोतिहारी की महापौर प्रीति कुमारी, नगर आयुक्त सुमन सौरभ यादव, निगम पार्षद डॉली राज एवं निगम पार्षद प्रतिनिधि राजेश जी के साथ मुहल्लेवासियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। उक्त कार्यक्रम में नगरवासियों से सीधा संवाद कर शहर के विकास से जुड़े विषयों पर चर्चा की गई साथ ही नगर निगम द्वारा वार्ड के विकास के लिए चयनित किए गए योजनाओं पर विचार-विमर्श के साथ स्थल निरक्षण किया गया। नगर निगम मोतिहारी समूचे नगर के विकास के लिए लगातार प्रयासरत है।

आपका शहर आपकी बात कार्यक्रम का शुभारंभ

बीएनएम। मोतिहारी

बिहार में शहरीकरण की बढ़ती गति को देखते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम "आपका शहर, आपकी बात" का शुभारंभ किया। पटना में आयोजित इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य के सभी जिलों में किया गया, जिसमें पूर्वी चंपारण के समाहरणालय स्थित एनआईसी में जिलाधिकारी समेत कई अधिकारी उपस्थित रहे।इसके साथ ही नगर निगम मोतिहारी के तत्वावधान में शहरीकरण के बढ़ते कदम "आपका शहर, आपकी बात" कार्यक्रम के तहत मजुराहाँ, वार्ड संख्या 32 में एक मुहल्ला सभा का आयोजन किया गया। इस सभा में मोहल्ले के आम नागरिकों को कार्यक्रम के उद्देश्यों से अवगत कराया गया। नगर आयुक्त सौरभ सुमन यादव ने उपस्थित मोहल्ला वासियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे अपने क्षेत्र के विकास से जुड़ी अपनी अपेक्षाओं और मांगों को खुलकर साझा करें। उन्होंने यह भी बताया कि नागरिक अपनी मांगों को लिखित रूप में भी दे सकते हैं, जिन्हें सरकार तक पहुंचाया जाएगा। "आपका शहर, आपकी बात" कार्यक्रम में मजुराहाँ के नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर अपनी राय रखी, साथ ही कई आवेदन भी प्रस्तुत किए।मौके पर मोतिहारी मेयर डिप्टी मेयर व विभिन्न वार्ड के पार्षद गण, अधिकारी व आम नागरिक उपस्थित थे।

विश्व पृथ्वी दिवस पर बेबी गार्डेन स्कूल में पर्यावरण संरक्षण को लेकर बच्चों ने उठाई आवाज दिया प्रकृति बचाने का संदेश

बीएनएम। मोतिहारी

विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर जिले के मेहसी स्थित बेबी गार्डेन स्कूल में मंगलवार को एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय के नन्हें छात्रों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए नीति-निर्माताओं और नेताओं से अपील की कि वे विकास के नाम पर धरती, जल, जंगल, खनिज और पहाड़ों को नष्ट होने से बचाएं। छात्रों ने अपने संकल्प और नारों के माध्यम से बताया कि यदि धरती बचेगी, तभी जीवन बचेगा। नदियां, जंगल, खेत, खलिहान, हवा, पानी और बीज न केवल वर्तमान पीढ़ी के लिए बल्कि विश्व के करोड़ों बच्चों के भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। इसीलिए इनकी सुरक्षा और संरक्षण की जिम्मेदारी केवल जनता की नहीं, बल्कि सरकार, नीति-निर्माताओं और प्रशासनिक अधिकारियों की भी है। इस मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता अमर कुमार ने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा, "पर्यावरण की रक्षा के लिए आवाज़ उठाना केवल एक आंदोलन नहीं, बल्कि यह हमारे जीवन का मूल मंत्र बनना चाहिए।" उन्होंने बच्चों को स्लोगन लगाने के लिए प्रेरित किया और उन्हें इसे अपने जीवन में अपनाने का संकल्प दिलाया। बच्चों ने कई आकर्षक और अर्थपूर्ण नारों के माध्यम से अपनी भावनाएं प्रकट कीं, जिनमें प्रमुख थेः

"धरती बचेगी – जीवन बचेगा"

"पर्यावरण की सुरक्षा – हम सब का सामूहिक कर्तव्य"

"नदी, पहाड़, जंगल, जमीन के विनाश पर लगाओ रोक – लगाओ रोक, लगाओ रोक"

"बीज बचाएं, वृक्ष बचाएं – धरती को हरा-भरा बनाएं"

"हवा पानी शुद्ध बयार – जीवन के लिए है जरूरी दरकार – सुनो सरकार, सुनो सरकार"

अमर जी ने यह भी कहा कि आज की भोगवादी जीवनशैली के कारण हम प्रकृति से दूर होते जा रहे हैं। जंगल कट रहे हैं, नदियाँ सूख रही हैं, और धरती दिन-ब-दिन गर्म होती जा रही है। अगर समय रहते सचेत नहीं हुए, तो आने वाली पीढ़ियों को इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्राचार्य जितेन्द्र कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि बच्चों की यह पहल सराहनीय है और हम सबको प्रेरणा देती है कि हम भी पर्यावरण संरक्षण के लिए अपने-अपने स्तर पर कदम उठाएं।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर पप्पू यादव का बयान, कहा ईबीसी या एससी-एसटी से होगा अगला सीएम

बीएनएम। पटनाः पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव दिल्ली से पटना पहुंचने पर पत्रकारों से बातचीत में महागठबंधन और भाजपा दोनों को लेकर बयान दिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का चेहरा तय करना महागठबंधन का आंतरिक मामला है। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा, बीजेपी का मुख्यमंत्री चेहरा कौन है? पप्पू यादव ने साफ कहा कि चुनाव के बाद महागठबंधन मिलकर अपने नेता का चयन करेगा।महागठबंधन की 17 अप्रैल को हुई बैठक में कोऑर्डिनेशन कमिटी का गठन तो हो गया, लेकिन मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर तस्वीर अब तक साफ नहीं है। इस पर पप्पू यादव ने कहा, सत्ता पक्ष के लोग ही ज्यादा परेशान हैं कि चेहरा कौन होगा। ये हमारा मसला है, हमारा नेता तय करेगा।उन्होंने भाजपा पर जमकर हमला बोला और कहा कि बीजेपी अकेले कुछ नहीं कर सकती। नीतीश कुमार के बिना बीजेपी की कोई औकात नहीं है। आज तक अकेले कितनी सीटें जीती है?उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मांझी और चिराग पासवान जैसे सहयोगी दलों को परेशान किया जा रहा है।चिराग पासवान के बिहार बुला रहा है बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए पप्पू यादव ने कहा कि अच्छी बात है, लेकिन बीजेपी सिर्फ चिराग को इस्तेमाल करती है। उन्होंने दावा किया कि इस बार बिहार को ईबीसी, एससी या एसटी वर्ग से मुख्यमंत्री मिलेगा। हम शुरू से कह रहे हैं कि अगला मुख्यमंत्री पिछड़े या दलित वर्ग से होना चाहिए, उन्होंने दोहराया।

भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

बीएनएम। बाल्मिकी नगर । विश्व पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में एमएमडीयू के मीडिया एवं क्रिएटिव विभाग में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य छात्रों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना तथा पृथ्वी के संरक्षण हेतु युवाओं की भूमिका को प्रोत्साहित करना था। पृथ्वी दिवस हर साल 22 अप्रैल को मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना है। 22 अप्रैल, 1970 को पहली बार पृथ्वी दिवस मनाया गया था, जब अमेरिका में लाखों लोगों ने पर्यावरण प्रदूषण के खिलाफ प्रदर्शन किया था। यह दिन पर्यावरण संबंधी मुद्दों जैसे प्रदूषण, वनों की कटाई, जलवायु परिवर्तन और लुप्तप्राय प्रजातियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। पृथ्वी दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों को पर्यावरण की समस्याओं के बारे में जागरूक करना और उन्हें इस दिशा में कुछ करने के लिए प्रेरित करना है। इस वर्ष पृथ्वी दिवस की मुख्य थीम "हमारी शक्ति, हमारा ग्रह" है। प्रतियोगिता में विभाग के अनेक छात्रों ने भाग लिया और पृथ्वी के बढ़ते तापमान, वनों की कटाई, प्रदूषण नियंत्रण, प्लास्टिक मुक्त समाज और टिकाऊ विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रतिभागियों ने अपने भाषणों के माध्यम से पर्यावरणीय संकट की गंभीरता और इसके समाधान के संभावित उपायों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ. दिव्या गिरधर ने की, जिन्होंने छात्रों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि, "इस प्रकार के आयोजनों से छात्रों में पर्यावरणीय मुद्दों के प्रति संवेदनशीलता विकसित होती है, जो एक जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।" इस मौके पर डॉ. गौरव शर्मा, डॉ.किशन, सुदीप मौजूद रहे।

ट्रेन से गिर कर नेत्रहीन नाबालिग लड़की घायल

बीएनएम। जमुई/झाझा। झाझा नारगंजो मुख्यरेलखण्ड के बीच रजला हॉल्ट के समीप चलती ट्रेन से एक नेत्रहीन नाबालिग लड़की गिरकर घायल हो गई। जिसे देखकर स्थानीय लोगों ने डायल 112 की पुलिस को सूचना दी जिसके बाद पुलिस मौके स्थल पर पहुंचकर घायल लड़की को उठाकर इलाज के लिए रेफरल अस्पताल में भर्ती करवाया जहां घायल लड़की का इलाज किया गया। घायल लड़की सिर्फ अपना नाम बता पा रही है जिससे उसकी पहचान झारखंड राज्य के दुमका के जामजुरी लिट्टीपाड़ा की रहने वाली 15 वर्षीय सलाबबिट्टी मरांडी के रूप में हुई है।

रेलवे आरक्षण काउंटर की दीवार गिरी , दो घायल

बीएनएम। जमुई/झाझा। मंगलवार को झाझा रेलवे स्टेशन परिसर स्थित रेलवे टिकट आरक्षण काउंटर से सटे दीवार में लगे टाइल्स गिर जाने से एक सरकारी और एक महिला घायल हो गई। प्राप्त जानकारी अनुसार रेलवे टिकट आरक्षण काउंटर में टिकट आरक्षण के लिए लोग टिकट आरक्षण के लिए खिड़की के पास खड़े थे इसी दौरान दीवार पर लगे टाइल्स अचानक गिर गया जिसके बाद सरकारी कर्मी व महिला दोनो घायल हो गया जिससे वहां पर मौजूद आरक्षण टिकट ले रहे लोगों के बीच हड़कम्प मच गया। घटना में सबसे ज्यादा चोट नगरक्षेत्र के भलुआ चरघरा की रहने वाली लक्ष्मी कुमारी के सिर में लगी जबकि सोनो प्रखंड में कृषि विभाग में कार्यरत कर्मी राहुल राय को मामूली चोट लगा। घायल दोनो लोगों को तुरन्त मौजूद रेलकर्मियों ने टिकट काउंटर में बैठाया और रेलवे अस्पताल को सूचना दिया जिसके बाद रेलवे अस्पताल से पहुंचे स्वास्थ्य कर्मियों के द्वारा किया गया। घायल लक्ष्मी कुमारी ने बताया कि चंडीगढ़ जाने के लिए टिकट आरक्षण के लिए पहुंची थी।

प्रेशर हॉर्न की तेज आवाज से लोग हो रहे बीमार

बीएनएम। लखीसराय. शहर में वाहनों का प्रेशर हॉर्न लोगों के दिल की धड़कन बढ़ा रही है. जिस प्रकार प्रेशर हॉर्न बजता है, यह दिल के मरीजों के लिए घातक है, परंतु लखीसराय में वाहन चालकों को समझाये कौन. जब भी कोई ट्रक ट्रिपर या अन्य बड़े या छोटे वाहन बाजार से होकर गुजरता है. चालक प्रेशर हॉर्न बजाना शुरू कर देते हैं. स्थिति यह है कि जिनको दिल की बीमारी है, उन्हें हर समय हार्ट अटैक आने का डर बना रहता है. प्रेशर हॉर्न की तेज आवाज से लोग बहरेपन का शिकार हो रहे हैं. उन्हें घबराहट की भी शिकायत हो रही है. यह तो रही प्रेशर हार्न से उत्पन्न हो रही परेशानी की बात. परंतु अब सवाल यह है कि दिल के मरीजों के लिए घातक बने इस प्रेशर हॉर्न पर रोक कौन लगाये, क्योंकि आम जनता अगर किसी गाड़ी चालक को प्रेशर हॉर्न बजाने से रोकेगा, तो विवाद हो जायेगा. ऐसे में सहज जवाब है, इसे सिर्फ प्रशासन ही रोक सकता है, परंतु प्रशासन जो कि सरकारी आवास व कार्यालयों में ठाठ से रहते हैं. उन्हें जनता की चिंता नहीं है. तभी तो आम जनता की शिकायत के बाद भी अब तक प्रेशर हॉर्न पर रोक नहीं लग रही है. बस चालक प्रेशर हॉर्न बजाते शहर में घुसते हैं, जिसे रोकने व टोकने वाला कोई नहीं है. इधर, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ वाई के दिवाकर के मुताबिक वाहनों में लगे प्रेशर हॉर्न की आवाज से ध्वनि प्रदूषण होता है, जो कि हार्ट के मरीजों के लिए खतरनाक होता है. ध्वनि प्रदूषण से हाई ब्लड प्रेशर, दिल की धड़कन बढ़ना और तनाव जैसी समस्याएं होती हैं, जिनको नजरअंदाज करने से हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है. तेज आवाज कान के लिए भी घातक होती है. भीड़ में प्रेशर हॉर्न बजाना सबसे अधिक घातक होता है.

कई बार हुई प्रेशर हॉर्न पर रोक लगाने की मांग- नगर परिषद क्षेत्र में लोगों ने कई बार प्रशासन से घनी आबादी वाले क्षेत्र में प्रेशर हॉर्न पर रोक लगाने की मांग की, लेकिन प्रशासन वर्षों से इस मांग को अनसुनी करता रहा है. नतीजा तन प्रेशर हॉर्न की तेज आवाज से लखीसराय बाजार सहित आसपास के इलाके में लोग बीमार हो रहे हैं.

ई-रिक्शा दुर्घटनाग्रस्त, चार घायल

बीएनएम। लखीसराय। जिले के रामगढ़ चौक थाना क्षेत्र अंतर्गत लखीसराय सिकंदरा पथ में झूलोना के निकट अचानक सामने से आ रहे बाइक से चकमा खाकर ई रिक्शा दुर्घटनाग्रस्त हो गई ।जिसमें चार व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गये। स्थानीय लोग एवं प्रशासन की मदद से घायल को इलाज हेतु प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रामगढ़ चौक लाया गया ।जहां प्राथमिक उपचार के दौरान सदर अस्पताल लखीसराय रेफर कर दिया गया। घायल की पहचान बिल्लो गांव निवासी शनिदेव कुमार की 21 वर्षीय पत्नी जयमाला कुमारी, दिनेश पंडित के 31 वर्षीय पुत्र शनिदेव कुमार सूर्यगढा प्रखंड के पटेलपुर गांव निवासी अलख देव कुमार के 25 वर्षीय पुत्र सौरभ कुमार, रामगढ़ चौक प्रखंड के कोली गांव निवासी स्वर्गीय तलेबर महतो के 60 वर्षीय पुत्र रघुनाथ महतो के रूप में हुई। रामगढ़ चौक थाना अध्यक्ष मंटू कुमार से पूछे जाने पर उन्होंने बताया की दुर्घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासन तुरंत घायल को इलाज हेतु प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रामगढ़ चौक लाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी को सदर अस्पताल लखीसराय भेज दिया गया है।

अवैध नर्सिंग व अल्ट्रासाउंड संचालकों पर करे सख्त कारवाई:ममता राय

बीएनएम। मोतिहारी

जिला परिषद अध्यक्ष ममता राय की अध्यक्षता में मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में अस्पतालों में अवैध नर्सिंग होम व अल्ट्रासाउंड पर कारवाई के साथ ही दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने और ओपीडी में मरीजों की संख्या बढ़ाने के सख्त निर्देश दिए गए। लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी गई।इसके साथ ही श्रीमती राय ने सरकारी अस्पतालों में स्वीकृत दवाओं की कमी पर चिंता जताते हुए कहा कि हर हाल में दवाओं का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित किया जाए।गर्मी के साथ ही मॉनसून के पूर्व एंटी स्नेक वेनम और एंटी रैबीज जैसी जीवन रक्षक दवाओं का भंडारण समय पर करने का आदेश दिया। बैठक के दौरान आउटसोर्सिंग के माध्यम से संचालित सेवाओं मसलन जनरेटर, सुरक्षा गार्ड, खानपान और साफ-सफाई-की लापरवाही पर सवाल उठाया गया। जिसको लेकर उन्होने सिविल सर्जन को जल्द नई निविदाएं निकालने के निर्देश दिए।इसके साथ ही बैठक के दौरान जिले में संचालित अवैध नर्सिंग होम और अल्ट्रासाउंड संस्थानों पर सख्त कार्रवाई करने का आदेश दिया गया। बैठक में अनुपस्थित चिकित्सा पदाधिकारियों और प्रतिवेदन नहीं भेजने वाले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। साथ ही, वर्ष 2025-26 में स्थानीय स्तर पर दवाओं की खरीद की प्रक्रिया पर विस्तृत प्रतिवेदन मांगा गया। बैठक में सदस्य ईश्वरचन्द्र मिश्रा, आभा देवी, अनिता देवी, सहयोजित सदस्य ई. शशि भूषण राय उर्फ गप्पू राय, विभिन्न प्रखंडों के चिकित्सा पदाधिकारी, डीपीएम सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

गैस सिलेंडर से हुई आगलगी में करीब 3 लाख का सामान जलकर खाक

बीएनएम। तुरकौलिया

रघुनाथपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत सपही पंचायत के वृतिया गांव वार्ड नं 4 में गैस सिलेंडर से हुई आगलगी में करीब 3 लाख का सामान जलकर खाक हो गया। घटना के बाबत बताया जाता है कि चलितर सहनी की पत्नी प्रभावती देवी अपने घर सुबह में गैस से खाना बना रही थी। इसी दौरान फुस के घर में आग लग गई। आग लगते ही घर के सभी महिलाएं बाहर निकल भागने लगी। इसी दौरान गैस सिलेंडर फटने का का जोरदार आवाज हुआ। धमाके का आवाज सुनकर आसपास के लोग सहम गए। लोगों को लगा कि किसी दुश्मन ने गांव में बम पटक दिया है। लोगों को जैसे ही पता चला सिलेंडर फटने का आवाज है। आग बुझाने के लिए सभी लोग दौड़ेने लगे। इसी बीच पता चला कि घर के अंदर एक और सिलेंडर रखा हुआ है। यह बात सुनते ही कोई भी आगे बढ़कर आग बुझाने को तैयार नही हुआ। तुरंत अग्निशमन गाड़ी को फोन किया गया। जहां दो अग्निशमन गाड़ी पहुंचकर किसी तरह एक घंटे में आग पर काबू पाया। जबतक कपड़ा, फर्नीचर, पेटी, राशन, चौकी आदि सामान जलकर नष्ट हो चुका था। घटना स्थल पर राजस्व कर्मचारी सुंदेश्वर राम ने पहुंचकर क्षति का आकलन किया है। बीडीओ सह प्रभारी सीओ प्रियांशी प्रिया ने कहा कि जांच रिपोर्ट मिलने पर सहायता राशि दी जाएगी।

जिला अध्यक्ष के पदभार सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

नौतन विधानसभा से कांग्रेस कार्यकर्ताओं का पदभार समारोह उमरा जन सैलाब

» रवि भूषण ने जिला अध्यक्ष को अंग वस्त्र से किया सम्मानित

बीएनएम। बेतिया

बेतिया कांग्रेस आश्रम में नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष का पदभार सम्मान समारोह का हुआ आयोजन।जिसमें सम्मानित करने वाले एवं बधाई देने वाले का उमड़ा जनसैलाब।सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला अध्यक्ष को सम्मानित किया। वही इस सम्मान समारोह में नौतन विधानसभा से नमन नौतन पदयात्रा के सूत्रधार कांग्रेस कार्यकर्ता रवि भूषण के साथ उनके समर्थकों का जन सैलाब उमड़ पड़ा। सभी कार्यकर्ताओं ने फूल माला से सम्मानित किया।वही नमन नौतन पदयात्रा का सुत्रधार रवि भूषण ने नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष प्रमोद सिंह पटेल को फूल माला एवं अंग वस्त्र से सम्मानित किया।रवि भूषण ने बताया कि निवर्तमान जिला अध्यक्ष भारत भूषण दुबे ने भी संगठन को मजबूत करने पर पूर जोर दिए इसके लिए उनको भी बधाई और धन्यवाद।अब अल्ला कमान के द्वारा मनोनीत किए हुए नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष प्रमोद सिंह पटेल बधाई दिया।आगे रवि भूषण ने बताया कि नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष के अध्यक्षता में जिले में कांग्रेस और मजबूत होगी तथा हम लोग नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष प्रमोद सिंह पटेल के नेतृत्व में काम कर,कांग्रेस को और मजबूत बनाएंगे। आगामी विधानसभा चुनाव में विपक्षियों का जोरदार टक्कर दी जाएगी।

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में डिजिटल ह्यूमैनिटीज़ पर सेमिनार का आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के अंग्रेज़ी विभाग द्वारा डिजिटल ह्यूमैनिटीज़ विषयक एक सेमिनार का आयोजन किया गया।सत्र का नेतृत्व इंग्लिश एंड फॉरेन लैंग्वेजेस यूनिवर्सिटी हैदराबाद के प्रख्यात विद्वान डॉ जय सिंह ने किया। डॉ जय सिंह ने डिजिटल ह्यूमैनिटीज़ के उभरते हुए क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करते हुए मानवीय अध्ययन में तकनीक की प्रासंगिकता और प्रभाव पर विस्तृत चर्चा की, और यह दर्शाया कि इसका ऐतिहासिक क्रम औद्योगिक क्रांति से लेकर आज के कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के युग तक कैसे फैला है। उन्होंने मार्शल मैक्लुहान जैसे विचारकों का हवाला देते हुए कहा कि मशीनों के युग में मानव मन में गहरा परिवर्तन आया है। डॉ. सिंह ने मानव मस्तिष्क की तुलना हार्डवेयर से और मानव मन की तुलना सॉफ्टवेयर से की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मनुष्य को AI और तकनीकी विकास के साथ सक्रिय रूप से जुड़ना चाहिए, अन्यथा AI मानव मन को नियंत्रित कर सकता है और पोस्ट-ह्यूमन युग में जटिलताएँ उत्पन्न हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल उपकरण ग्रंथों के प्रचार-प्रसार और संरक्षण में उपयोगी हो सकते हैं, लेकिन हमें मानविकी की मौलिक आत्मा को नहीं खोना चाहिए। डॉ. सिंह ने AI का मानव मनोविज्ञान पर प्रभाव समझाने के लिए "प्लेसबो इफेक्ट" की अवधारणा का उपयोग किया। उन्होंने डिजिटल ह्यूमैनिटीज़ में शोध की व्यापक संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला, जैसे शेक्सपियर पर तकनीकी अध्ययन, मानविकी और वीडियो गेम्स आदि। सेमिनार में अंग्रेज़ी विभाग के डॉ. बिमलेश कुमार सिंह, डॉ. कल्याणी हज़री, डॉ. उमेश, डॉ. बलांदे चंदोबा, और डॉ. दीपक ने भाग लिया। विभाग के शोधार्थियों और छात्रों ने डिजिटल ह्यूमैनिटीज़ पर वक्ता के साथ उत्साही और गहन संवाद किया।

बच्चों के बीच पाठ्य-पुस्तक वितरित

बीएनएम। केसरिया

शिक्षा विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई पाठ्य पुस्तकों का वितरण प्रखण्ड के विद्यालयों में किया जा रहा है। इस कड़ी में मंगलवार को पीएमश्री राजकीय मध्य विद्यालय केसरिया कन्या में भी बच्चों के बीच पुस्तक वितरण की गई। विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक वासुदेव राम ने बताया कि अब तक नामांकित कुल 436 छात्र-छात्राओं में अधिकांश विद्यार्थियों को पाठ्य-पुस्तक उपलब्ध करा दी गई है। शेष बच्चों को भी जल्द ही वितरण कर दिया जायेगा। वही विद्यालय के शिक्षक ओमप्रकाश सिंह ने बताया कि इस वर्ष सत्र 2025-26 से पहली बार वर्ग छठी से आठवीं तक के विद्यार्थियों को एनसीईआरटी की पुस्तकें व वर्ग प्रथम से लेकर पांचवीं तक के विद्यार्थियों को एससीईआरटी की पुस्तकें दी जा रही है। साथ ही वर्ग छठी में बाल रामायण व सातवीं में बाल महाभारत की पुस्तकें भी उपलब्ध कराई गई है। जिससे बच्चों में पौराणिक तथ्य परक, बौद्धिक व संस्कारिक गुणों का विकास हो। छठी से आठवीं तक कंप्यूटर की पुस्तकें दी जा रही है। ताकि आधुनिक शिक्षा में भी ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों में तकनीकी ज्ञान का विकास हो। मौके पर शिक्षक सुरेश कुमार के अलावे देवराज, संजना, लाडली, गुड़िया, प्रियंका आदि मौजूद रहे।

गोविंदगंज में मादक पदार्थ तस्करी का भंडाफोड़, 332.5 किलो गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम। अरेराज (गोविंदगंज)

गोविंदगंज थाना पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए सोमवार को 332.5 किलोग्राम गांजा जब्त किया और दो तस्करों को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर राष्ट्रीय राजमार्ग-28 पर मठिया मोड़ के पास की गई। थानाध्यक्ष राजू मिश्रा के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने एक संदिग्ध इंडिगो कार (नंबर BR-06GC-8705) को रोककर तलाशी ली। कार से 26 पैकेटों में छिपाकर रखा गया भारी मात्रा में गांजा बरामद हुआ। मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दीपक कुमार साहनी (निवासी बेलवा परसौनी, थाना मुफस्सिल) और भोला कुमार राय (निवासी बेलवा परसौनी, थाना कल्याणपुर) — दोनों पूर्वी चंपारण के निवासी — के रूप में हुई है। पुलिस ने गांजे के साथ-साथ तस्करी में प्रयुक्त वाहन और दो मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। थानाध्यक्ष मिश्रा ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ जारी है और गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश की जा रही है। मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

केसरिया के सौरभ को यूपीएससी में मिली सफलता

बीएनएम। केसरिया

प्रखण्ड क्षेत्र के फुलतकिया के सौरभ कुमार सिंह ने यूपीएससी परीक्षा में सफलता हासिल कर जिले का मान बढ़ाया है। एक दैनिक अखबार के पत्रकार उपेंद्र सिंह के पुत्र और किसान हरिवंश सिंह के पौत्र सौरभ कुमार सिंह का यूपीएससी में चयन की खबर के साथ ही गाँव सहित क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। यूपीएससी परीक्षा में 378 वाँ रैंक प्राप्त कर जिला का मान बढ़ाया है। परीक्षा के परिणाम के साथ स्वजनों और शुभचिन्तक काफी खुश है। अपनी प्रारंभिक शिक्षा गाँव से शुरू की। मैट्रिक की परीक्षा डीएवी पब्लिक स्कूल शिमला हिमाचल प्रदेश से किया। इंटर की परीक्षा मॉडर्न पब्लिक स्कूल दिल्ली एवं स्नातक की डिग्री देशबन्धु कॉलेज दिल्ली से प्राप्त कर यूपीएससी की तैयारी दिल्ली से किया। सौरभ कुमार सिंह ने यह परिणाम तीसरी बार में प्राप्त किया है। उन्हें समय समय पर उनकी माँ विभा सिंह का मार्गदर्शन मिलता रहा है। वे अपने पिता के बड़े पुत्र है। उनके इस सफलता पर एमएलसी महेश्वर सिंह, विधायक शालिनी मिश्रा, मुखिया ज्योति सिंह, समाजसेवी मंटू सिंह, अभय सिंह, डॉ राकेश सिंह, राजू सिंह, पूर्व मुखिया हरिशंकर पासवान सहित कई लोगों ने हर्ष व्यक्त किया।

बांग्लादेश लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता की राह पर लौटेगा

बांग्लादेश की अपस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना निर्वासन के दर्द और पीड़ा से धीरे-धीरे उबर रही हैं। बंगाली नववर्ष पोहेला बैशाख के अवसर पर अपनी पार्टी अवामी लीग के कार्यकर्ताओं और देशवासियों के लिए जारी अपने संदेश में उन्होंने कहा है, 'आज स्वतंत्रता-विरोधी ताकतों ने बांग्लादेश में अवैध रूप से सत्ता पर कब्जा कर लिया है। वे सक्रिय रूप से बंगाली संस्कृति को नष्ट करने की कोशिश कर रही हैं।' उन्होंने दो टूक कहा, 'जो लोग अब बांग्लादेश का शासन चला रहे हैं, वे राष्ट्र और हमारी संस्कृति के दुश्मन हैं।' लोगों को याद होगा कि पिछले वर्ष अगस्त में कट्टरपंथियों ने शेख हसीना की निर्वाचित सरकार का तख्ता पलट दिया था। उसके बाद से वे भारत में निर्वासित हैं। हाल-फिलहाल बांग्लादेश में जो कुछ हो रहा है, उससे प्रतीत होता है कि वहां इस समय बंगाली अस्मिता और इस्लामी पहचान के बीच सीधा संघर्ष चल रहा है। अमेरिका के समर्थन से देश की सत्ता की बागडोर संभालने वाले मो. यूनुस और कट्टरपंथी जमाते इस्लामी व हिफाजते इस्लाम जैसे संगठन बांग्लादेश का नया इतिहास लिख रहे हैं। बांग्लादेश में शुरू से बैसाख महीने के पहले दिन 'मंगल शोभायात्रा' के नाम से जुलूस निकाला जाता रहा है। लेकिन इस वर्ष हिफाजते इस्लाम और जमाते इस्लामी जैसे कट्टरपंथी संगठनों ने मंगल शोभायात्रा को हिन्दू अनुष्ठान बताकर इसका नाम बदलने के लिए सरकार पर दबाव बनाया। सरकार ने इसका नाम बदल कर 'आनंदो शोभायात्रा' कर दिया। आश्चर्य की बात यह है कि लोकतंत्र और मानवाधिकार की दुहाई देने वाले अमेरिका और पश्चिमी देश बांग्लादेश में इस्लामी पहचान की वकालत करने वाली ताकतों का समर्थन कर रहे हैं। इस हकीकत को नजरअंदाज नहीं कर सकते हैं कि इस्लामी कट्टरपंथी का जिन्न बोतल से बाहर आ गया है जो धीरे-धीरे पूरे समाज को धर्मांधता की ओर धकेल देगा। सबसे भयावह स्थिति यह हो सकती है कि बंगाली संस्कृति वाला यह देश नया अफगानिस्तान या सीरिया न बन जाए। उम्मीद की जानी चाहिए कि बांग्लादेश का मौन बहुमत धीरे-धीरे अपनी आवाज बुलंद करने लगे।

भारत में शहरी नक्सलवाद के इरादे

पंकज जगन्नाथ जयसवाल

"एक राष्ट्र अपने मूर्खों और यहां तक कि महत्वाकांक्षी लोगों से भी बच सकता है। हालांकि, यह आंतरिक विश्वासघात का सामना नहीं कर सकता। द्वार पर खड़ा एक विरोधी कम शक्तिशाली होता है क्योंकि वह ज्ञात होता है और अपना झंडा खुलेआम फहराता है। हालांकि, देशद्रोही द्वार के अंदर उन लोगों के बीच स्वतंत्र रूप से घूमता है, उसकी चालाक फुसफुसाहट सभी गलियों में गूंजती है और यहां तक कि सरकार के अपने हॉल तक भी पहुंचती है। क्योंकि देशद्रोही उस तरह दिखता नहीं; वह उन बोलियों में बात करता है जो उसके शिकारों को आदी हैं, उनकी शक्ल और विचारों को अपनाता है और उस नीचता का फायदा उठाता है जो सभी लोग अपने अंदर गहराई से पालते हैं। वह एक राष्ट्र की आत्मा को सड़ा देता है, शहर के स्तंभों को कमजोर करने के लिए रात में गुप्त रूप और बिना पहचाने काम करता है और राजनीतिक शरीर और मन को इस हद तक संक्रमित कर देता है कि वह अब विरोध नहीं कर सकता। एक हत्यारा कम भयावह होता है।"- रोमन राजनेता मार्कस टुलियस सिसेरो, (63 ईसा पूर्व में वाणिज्य दूत थे) भारत शहरी नक्सलवाद सहित नक्सलवाद के समान मुद्दे से निपट रहा है। हालांकि 2014 में नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या 126 से घटकर अब 38 हो गई है। केंद्र सरकार की योजना 2026 तक नेटवर्क को खत्म करने की है। हालांकि, मार्कस सिसेरो के बयानों में शहरी नक्सलवाद का खतरनाक रूप समझा जा सकता है। एक समाज और राष्ट्र के रूप में हम इस जहरीली मानसिकता या विचारधारा के परिणामस्वरूप बहुत पीड़ित हैं। वे अब 'महाराष्ट्र विशेष सार्वजनिक सुरक्षा विधेयक, 2024' के खिलाफ लोगों का ब्रेनवॉश कर रहे हैं। शहरी नक्सली, ऐसा शब्द जो हाल के वर्षों में लोकप्रिय हुआ है, शहरी क्षेत्रों में रहने वाले व्यक्तियों और संगठनों को संदर्भित करता है जो माओवादी विद्रोह के साथ सहानुभूति रखते हैं, उसका समर्थन करते हैं या सक्रिय रूप से सहायता करते हैं। शहरी नक्सली और माओवादी भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरा हैं और शत्रुतापूर्ण देशों में उनके कई समर्थक हैं, जिनके साथ हम कई वर्षों से छद्म युद्ध लड़ रहे हैं। ये शहरी नक्सली और माओवादी, स्थानीय प्रतिस्पर्धी को खरीदने की चाहत रखने वाले वैश्विक व्यापार दिग्गजों की तरह, भारत के खिलाफ अपने हमले को आगे बढ़ाने के लिए आदर्श माध्यम हैं। ये शहरी समर्थक छद्म बुद्धिमान, अच्छे वक्ता होते हैं और खुद को सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षाविद् या मानवाधिकार अधिवक्ता बताते हैं। उनका असली लक्ष्य युवा, भोले-भाले दिमागों को भर्ती करके और माओवादी प्रचार करके देश को अस्थिर करना है। एनआईए के अध्ययन के अनुसार, कई फ्रंटल संगठन और छात्र विंग इस भर्ती प्रयास का नेतृत्व कर रहे हैं। ये संगठन कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में छात्रों के आदर्शवाद और कमजोरी का फायदा उठाते हैं। वे सामाजिक न्याय के समर्थक बनकर विद्यार्थियों में कट्टरपंथी धारणाएं भरते हैं, उन्हें सरकार का विरोध करने तथा हिंसक, विद्रोही जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। भारत विरोधी नारे और हिंसा जो भी हम अलग-अलग शिक्षा परिसरों में देखते हैं, वह काफी हद तक शहरी नक्सलियों द्वारा छात्रों को प्रभावित करने का परिणाम है। इस तरह का ब्रेनवॉश समाज और राष्ट्र के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विकास को कमजोर करता है। ये नक्सली, वैश्विक डीप स्टेट मार्केट ताकतों की मदद से, हर उस चीज को खारिज करते हैं जो राष्ट्र के पक्ष में है और अंतरराष्ट्रीय मालिकों और फाइनेंसरों के अनुकूल है जिनके लिए वे स्वार्थी कारणों से काम करते हैं। उन्हें केवल जाति विवाद, कश्मीरी अलगाववाद और खालिस्तानी आंदोलन जैसे विभाजन को भड़काना है, जो अजीब तरह से ज्यादातर सोशल मीडिया, मुख्यधारा के मीडिया और कैंपस चिटचैट जैसे प्लेटफार्मों पर अनिवार्य माओवादी द्वारा फैलाया जा रहा है। इससे पहले कि आप यह जान पाएं, भारत को पूरी तरह से भीतर से नष्ट करने के लिए पर्याप्त आत्म-कट्टरपंथी तैयार हो जाते है। यहां तक कि उनके अनुयायियों और कार्यकर्ताओं के साथ-साथ माओवादी प्रभावित क्षेत्रों के अधिकांश लोगों का भी माओवाद से बहुत कम सैद्धांतिक संबंध है। उदाहरण के लिए, बिहार में जाति विवाद, आंध्र प्रदेश में जमींदारों के प्रति दुश्मनी, आदिवासी क्षेत्रों में वन कानूनों से असंतोष, युवा बेरोजगारी और मुस्लिम कट्टरपंथ सभी को आग्नेयास्त्रों के उपयोग के माध्यम से सत्ता हासिल करने के साधन के रूप में निर्धारित किया जाता है। कट्टरपंथियों के अंतिम लक्ष्यों और नतीजों के बारे में जनता की समझ बढ़ाने की सख्त जरूरत है, साथ ही स्थानीय शिकायतों को बेहतर प्रशासन और बड़ी जिम्मेदारी के माध्यम से ठीक से हल किया जाना चाहिए। माओवादी शहरीकरण के साथ आने वाली प्राकृतिक दरारों का भी फ़ायदा उठाने की कोशिश करते हैं। जब्त किए गए दस्तावेज़ों के अनुसार, "सर्वेक्षण" शहरी लामबंदी अभियान का पहला चरण है। इस चरण में शहरी परिदृश्यों की उनकी भौगोलिक रूपरेखा के अनुसार जाँच करना शामिल है, जिसमें यह भी शामिल है कि वे औद्योगिक या अविकसित अंतर्देशीय क्षेत्र की सेवा करते हैं; कार्यबल की संरचना में परिवर्तन; भाषाई और धार्मिक अल्पसंख्यकों की बारीकी से जाँच; शहरों के भीतर आर्थिक असमानताएँ; और घेट्टोकरण में शामिल प्रक्रियाएँ, क्योंकि ये उनके रंगरूटों के लिए संभावित प्रजनन स्थल हैं, जिनका वे आसानी से भारतीय राज्य के हितों के विरुद्ध काम करने के लिए ब्रेनवॉश कर सकते हैं। हाल के वर्षों में, कई कॉलेज परिसरों में छात्र अशांति रही है। लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक सिद्धांतों के नाम पर केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध इन सभी संस्थानों को एकजुट करता है जिन्हें युद्ध के मैदान में बदल दिया गया है। एक नजदीकी जाँच से पता चलता है कि सरकार "लोकतांत्रिक सिद्धांतों" को दबाती नहीं है लेकिन एक तस्वीर इस तरह से चित्रित की जाती है। इन विरोधों में सक्रिय रूप से भाग लेने या उन्हें समर्थन देने के द्वारा कुछ संकाय सदस्यों ने भी उन्हें तीव्र करने का प्रयास किया। औसत व्यक्ति को यह सोचने पर मजबूर होना पड़ा कि, छात्र भारत विरोधी कैसे हो गए? ये सभी संस्थान अचानक संकट में क्यों हैं? धमकी के पहले संकेत पर वे जहर उगलेंगे और अपने गंदे दिलों से लोकतंत्र को लुभाएँगे। वे आज भी अंग्रेजों के दिमाग का हिस्सा बने हुए हैं, जिनके पास उत्कृष्ट शिक्षा है लेकिन सामाजिक जागरूकता बहुत कम है। उनके पास एक पश्चिमी दृष्टिकोण है और हर घरेलू मुद्दे को पश्चिमी समाज के दृष्टिकोण से देखा जाता है। उनकी अंतिम रणनीति समाज की निराशाजनक तस्वीर पेश करना है क्योंकि वे देश के प्रलय की भविष्यवाणी में विश्वास करते हैं। वे केवल भावनाओं में विश्वास करते हैं; वे आँकड़ों, तथ्यों या डेटा में विश्वास नहीं करते। वे भारत को ध्वस्त करना चाहते हैं क्योंकि उनका मानना है कि चीन और पश्चिमी सभ्यता एक आदर्श दुनिया का प्रतिनिधित्व करती है, जो उनका मानना है कि भारत कभी नहीं हो सकता। वे वैचारिक तर्क और रसद सहायता देकर नक्सली संगठनों के लिए भर्ती को बढ़ावा देते हैं, अंततः विद्रोही आंदोलन को बढ़ाते हैं। हालांकि शहरी नक्सली सशस्त्र युद्ध में सक्रिय रूप से शामिल नहीं हैं, लेकिन उनकी हरकतें हिंसा, दंगे और नागरिक अशांति को भड़काती हैं, जिससे महानगरीय क्षेत्र अस्थिर होते हैं। शहरी नक्सलियों के इर्द-गिर्द होने वाला विमर्श राजनीतिक ध्रुवीकरण को गहरा करता है, जिससे सामाजिक विभाजन होता है और संभावित रूप से लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं से समझौता होता है। शहरी नक्सलियों के प्रति सरकार की प्रतिक्रिया से प्रायः मानवाधिकार संबंधी चिंताएं उत्पन्न होती हैं, जिनमें मनमाने ढंग से गिरफ्तारियां और असहमति के दमन के दावे शामिल हैं, जिससे व्यापक सार्वजनिक अशांति पैदा होती है। शहरी नक्सली जंगल के नक्सलियों को रसद और वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए जिम्मेदार हैं। वे सामाजिक खामियों का फायदा उठाते हैं और बड़ी भीड़ को संगठित करके हिंसक और अहिंसक दोनों तरह के विरोधों को भड़काते हैं, ताकि व्यवस्था को अंदर से कमजोर किया जा सके। पकड़े गए नक्सलियों को कानूनी सहायता प्रदान करते हैं।

इसके अलावा, मानवाधिकारों की आड़ में व्यवस्था को मजबूर किया जाता है। झूठे विमर्श फैलाकर नए सदस्यों को आकर्षित करना जो नक्सल संघर्ष का सैन्य या बौद्धिक रूप से समर्थन कर सकते हैं। चूंकि ट्रेड यूनियनों और शैक्षणिक संस्थानों के सदस्यों को नक्सल आंदोलन में शामिल होने के लिए आसानी से बहकाया जा सकता है, इसलिए इन संगठनों में लोगों को रखकर ऐसा किया जाता है। व्यवस्था को कमजोर करने का एक और तरीका है अपने लोगों को राजनीतिक, कानूनी और नौकरशाही क्षेत्रों में अधिकार के पदों पर बिठाना। सबसे जोखिम भरा तरीका है नक्सल कथा को बनाए रखने और आगे बढ़ाने के लिए पत्रकार के रूप में प्रस्तुत होना। इसके अतिरिक्त, यह राष्ट्रवादी, आतंकवाद विरोधी और नक्सल विरोधी ताकतों को गलत तरीके से प्रस्तुत करता है। ये बड़े पैमाने पर पश्चिमी शिक्षा प्राप्त पाखंडी लोग जो मार्क्स, लेनिन, स्टालिन, माओ और चीन की विचारधाराओं का समर्थन करते हैं, वे लगातार भारत की संप्रभुता और राज्य के दर्जे को कमजोर करने के लिए काम कर रहे हैं ताकि संघर्षरत राष्ट्र, जिसमें 140 करोड़ लोग हैं, जिसमें बहुत अधिक विविधता है और लगभग 40 करोड़ गैर-हिंदू हैं, अपना संतुलन खो दे और अराजकता की स्थिति में बदल जाएं।

सूडोकु नवताल- 7409

★★★☆☆ मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7408 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

जैसे को तैसा जवाब देने का इरादा

हरिशंकर व्यास

भारत गजब की मायावी विश्वगुरूता में है! गुजरे सप्ताह पूरी दुनिया में डोनाल्ड ट्रंप से उथलपुथल हुई। सभी देश ट्रंप प्रशासन से बेइज्जत हुए। ट्रंप ने बड़ी इकॉनोमी में चीन के बाद भारत पर 26 प्रतिशत टैरिफ लगा उसे नंबर दो पर रखा। मगर हममें इसकी कोई प्रतिक्रिया, कोई विचार नहीं हुआ। इस खामोख्याली में रहे कि ट्रंप ने हमें उतना नहीं मारा जितना चीन को और उसके साथ विएतनाम, कंपूचिया को मारा! हमें औकात दिखाई बावजूद इसके हम गौरवान्वित थे! चीन ने बतौर रियल महाशक्ति के अमेरिका से कहां- 'हम चुनौती के आगे झुकने वाले नहीं! हम आखिर तक लड़ेंगे।' और वैश्विक वित्तिय हल्कों में अफवाह है कि अमेरिकी ट्रेजरी के दीर्घकालीन बांड्स की बाजार में धड़ाधड़ बिक्री (कोई 29 ट्रिलियन डालर के) हुई तो ट्रंप के हाथ पांव फूले। उन्होने चीन को छोड़ सभी देशों पर लगे टैरिफ को 9 जुलाई तक टाला। सोचे, कौन झुका, कौन घबराया? डोनाल्ड़ ट्रंप। चीन में इतना सोचना-विचारना, हिम्मत और दीर्घकालीन तैयारी है जिससे वह हर तरह की तैयारी में है। वैश्विक वित्तिय बाजार में निवेश का सर्वाधिक सुरक्षित-खरा औजार अमेरिकी ट्रेजरी के बांड्स माने जाते है। और ये सर्वाधिक किसके पास है? जापान नंबर एक पर है और उसके बाद चीन के पास 761 बिलियन डालर के अमेरिकी बांड्स है। यदि चीन अकेले अमेरिकी बांड्स में बेचने शुरू करे व जापान भी इसी रास्ते पर चल पड़े तो अमेरिका की वित्तिय ताकत कुछ ही घंटों में राख में बदल जाएगी। तभी ट्रंप के हाथ-पांव फूले। चीन को अपना दुश्मन चिंहित कर बाकि देशों पर अतिरिक्त टैरिफ रोका। कहते है जापान ने भी कुछ अमेरिकी बांड्स निकाले। उधर योरोपीय संघ के 27 देशों में से 26 देशों ने अमेरिका के खिलाफ टैरिफ की तैयारियों पर सहमति दी। कनाड़ा और मेक्सिकों ने बदले के कदम उठाए। पूरी तरह निर्यात पर टिके दक्षिण कोरिया, विएतनाम, कंपूचिया ने अपने प्रतिनिधी वाशिगंटन दौड़ा कर देश के व्यापार को बचाने की कोशिशे की। और भारत ने क्या किया? कुछ नहीं! मानों हम न तीन में और न पांच में। ठिक भी बात है। विश्व व्यापार में भारत का कुल हिस्सा सिर्फ 2.4 प्रतिशत है। मगर गडबड यह है कि अमेरिका ही सबसे बड़ा वह देश है जिसे हम बेचते ज्यादा है और खरीदते कम है। हमें लाभ अमेरिका से ही है। इसलिए ट्रंप की चिढ़ है कि भारत जैसे देश से भी हम घाटे में है। तभी ट्रंप ने नरेंद्र मोदी की यात्रा के दौरान दबाव बना कर बजट से अमेरिकी उत्पादनों पर ड्यूटी घटवाई। फिर भी 26 प्रतिशत टैरिफ लगाए। मगर भारत ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। यह रूख था कि बात करेंगे। हम कर ही क्या सकते है! भारत ने ऐसा कोई संकेत नहीं दिया कि वह भी जैसे को तैसा जवाब देने का इरादा रखता है। इसलिए तय माने डोनाल्ड़ ट्रंप भारत से कोई रियायत नहीं करेंगे। जुलाई में 26 फिसदी टैरिफ के अलावा वे भारत के फार्मास्यूटिकल सेक्टर की अलग कमर तोड़ेंगे। सो विदेश व्यापार की वास्तविकता से भी पता चलता है कि भारत न अपने बाजार में चीन की आर्थिक लूट को रोकने के विचार में समर्थ है और न अमेरिका या विश्व व्यापार में कोई ठोस, बराबरी का रिश्ता बना सकने का रोडमैप है। इसलिए कि इस सबके लिए सोच-विचार का दिमाग है कहां? बस, एक ही इलहाम, एक ही ख्याल है कि हम विश्वगुरू! सोचे, पिछले दस वर्षों में दुनिया की बड़ी घटनाओं, विकास और ट्रेंड में क्या-क्या है? ट्रंप के व्यापार युद्ध से पहले, इजराइल-हमास युद्ध, रूस-यूक्रेन युद्ध है। चीन ने भारत की सीमा पर दादागिरी दिखाई। पता नहीं भारत का कितना इलाका कब्जाया। अफगानिस्तान में तालिबानी वर्चस्वता बनी। दक्षिण एसिया के हर देश में चीन का दबदबा फैला। भारत में भी जलवायु परिवर्तन और मौसम की जानलेवा मार का ट्रेंड है। वैश्विक पैमाने पर आर्टिफिशियल बुद्धीमत्ता की छलांगे, स्पेस दौड़, मेटावर्स-एआरवीआर, क्रिप्टोकरेंसी में क्या-क्या नहीं होता हुआ है! जबकि भारत की थिंकिंग, नैरेटिव, प्राथमिकता क्या है? हमें फ्री बांटने, रैवडियों की व्यवस्था बनानी है। हमें धर्म और जाति से चुनाव जीतना है। हमारी भीड़ हमारी ताकत है। भीड़ की भक्ति, भोंडापन देश का विकास है। हिंदू-मुस्लिम की मुर्गा लड़ाई हमारे राष्ट्रीय एकीकरण और राष्ट्र निर्माण का रास्ता है। डोनाल्ड़ ट्रंप ने 'अमेरिका फर्स्ट के फितूर में सभी देशों को इस सोच-विचार के लिए मजबूर किया कि तब हमारा क्या? हम कैसे अपने आपको बदले? क्या नया सोचे? विश्व की तमाम तरह की व्यवस्थाओं के सिनेरियों में ब्रिटेन, योरोपीय संघ, जापान, चीन, आस्ट्रेलिया आदि लगभग सभी देशों ने अपने आप पर विचार, पुर्नविचार किया है, कर रहे है। वही भारत में इस सप्ताह वक्फ बोर्ड बिल, कांग्रेस अधिवेशन में पिछड़ों के आरक्षण, सीपीआईएम के अधिवेशन में 'धर्म की चिंता और प्रधानमंत्री मोदी द्वारा एक मुख्यमंत्री स्टालिन को नसीहत थी कि तमिल में दस्तखत तो कर दिखाएं!

आज का राशिफल

मेष राशि- आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आज रुका हुआ धन वापस मिलेगा, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी। आज आप सामाजिक कार्यों में सहयोग देने की सोचेंगे। आज परिस्थितियों को ठीक से देखेंगे तो हर एक समस्या को हल कर पाएंगे। जिन लोगों की संगत में आप नकारात्मक बन रहे हैं, फिलहाल उन लोगों से दूरियां बनाने का विचार करेंगे। किसी जरूरी काम से की गई यात्रा सुखद रहेगी।

वृष राशि- आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज ऑफिस में सहयोगी आपके विचारों से प्रभावित होंगे, लेकिन दूसरों के कामों में दखल देने से आपको बचना चाहिए। आज अपने काम को आसान तरीके से करने का रास्ता मिल सकता है। नई योजना पर काम शुरू हो सकता है। परिवार की जिम्मेदारी सही तरीके से निभाएंगे, जिससे प्रसन्नता बनी रहेगी। पैसों से संबंधित समस्या दूर होगी।

मिथुन राशि- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज आपका रुका काम पूरा होने से मानसिक शांति मिलेगी। आप काम करने के नए तरीकों पर विचार करेंगे। आज आपको रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। आज अपनी इच्छाशक्ति के बल पर योजनाओं पर काम कर पाएंगे। आज आपको अपने इगो पर नियंत्रण रखना होगा। जो बातें आपको बेहतर बनाती हैं, केवल उन पर ध्यान दें और खुद को सुधारें। आज जितनी पक्की आप योजना बनाएंगे, सफलता मिलने की संभावनाएं उतनी ज्यादा होंगी। आज आप जीवनसाथी को डिनर कराने के लिए जा सकते है।

कर्क राशि- आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। अचानक हुए धन लाभ से आज अपनी जरूरत का सामान खरीदेंगे। दांपत्य जीवन में और मधुरता आएगी। आज गलत विचारों को दूर करके खुद में सुधार करेंगे। आज क्रोध को नियंत्रित करने की कोशिश करें। स्वभाव की नकारात्मक बातों को सुधारने की कोशिश करें।

सिंह राशि- आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज कार्यक्षेत्र में आपके सहकर्मी और सीनियर आपकी परफॉरमेंस से खुश रहेंगे और आपकी तारीफ करेंगे। आज काम के हिसाब से फल मिलेंगे। जिस बड़े लक्ष्य को पूरा करने की इच्छा है, उससे संबंधित रास्ता मिलेगा। आज आपके काम पर अंतिम परिणाम निर्भर करेगा। परिवार के साथ चल रही समस्याओं को तुरंत सुलझाने की कोशिश करेंगे। समय का सही इस्तेमाल करके काम पूरा करें।

कन्या राशि- आज का दिन आपके लिए नई उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपकी आर्थिक स्थित मजबूत बनी रहेगी आप सामान की खरीददारी करने मार्केट जा सकते हैं। एंट्रेंस एग्जाम की तैयारी कर रहे छात्रों का समय अनुकूल है मेहनत के अच्छे परिणाम आपको हासिल होंगे। आज शाम को किसी मित्र की बर्थडे पार्टी में जाएंगे जहाँ आपके अन्य दोस्त भी होंगे। ऑफिस में किसी काम को लेकर थोड़ा विचार-विमर्श करना पड़ सकता है, शत्रु पक्ष आपकी योजनाओं से प्रभावित होंगे।

तुला राशि- आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। आपका धन कहां खर्च हो रहा है। इस पर आपको नजर बनाए रखने की जरूरत है, नहीं तो आने वाले समय में आपको थोड़ी परेशानी हो सकती है। आज आपको बेकार की उलझन लेने की जरूरत नहीं है।

वृश्चिक राशि- आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपके मकान, प्लॉट, दुकान को खरीदने की इच्छा पूरी होगी। संतान को अच्छी नौकरी मिलने से माता-पिता काफी खुश नजर आएंगे। आपको काफी समय से चल रही स्वास्थ्य संबंधी समस्या से छुटकारा मिल सकता है। आज किसी भी व्यक्ति के लिए प्रतिशोध की भावना न रखें।

धनु राशि- आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज का दिन तरक्की के नए मार्ग खोलेगा। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई पर पूरा फोकस बनाए रखें, जल्द ही आपको परीक्षा में सफलता हासिल होगी। प्राइवेट जॉब में कार्यरत लोगों को आज प्रमोशन मिल सकता है। परिवार के सदस्यों के साथ आप किसी मांगलिक उत्सव में सम्मिलित हो सकते हैं, जहां आप तोल मोलकर बोले, तो आपके लिए बेहतर रहेगा।

मकर राशि- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आप खुद को बदली हुई भूमिका में महसूस करेंगे। पैसों का उपयोग सही तरीके से करेंगे। जीवन में संतुलन बनाए रखेंगे और कुछ बातों में बदलाव होने में समय लगेगा। आज किसी भी काम को सही तरीके से पूरा करने की कोशिश करें।

कुंभ राशि- आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। पहले किये किसी निवेश का आज आपको अच्छा लाभ मिलेगा, अच्छा लाभ मिलने से आपके प्रसन्नता का ठिकाना नहीं रहेगा। आपका किसी नए वाहन को खरीदने का सपना आज पूरा होगा।

धधकती धरती: विकास की दौड़ या विनाश की ओर?

योगेश कुमार गोयल

न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का निरन्तर बिगड़ता मिजाज गंभीर चिंता का सबब बना है। हालांकि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विगत वर्षों में दुनियाभर में दोहा, कोपेनहेगन, कानकुन इत्यादि बड़े-बड़े अंतरराष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन होते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद इस दिशा में अभी तक ठोस कदम उठते नहीं देखे गए हैं। दरअसल, वास्तविकता यही है कि राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रकृति के बिगड़ते मिजाज को लेकर चर्चाएं और चिंताएं तो बहुत होती हैं, तरह-तरह के संकल्प भी दोहराये जाते हैं किन्तु सुख-संसाधनों की अंधी चाहत, सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि, अनियंत्रित औद्योगिक विकास और रोजगार के अधिकाधिक अवसर पैदा करने के दबाव के चलते इस तरह की चर्चाएं और चिंताएं अर्थहीन होकर रह जाती हैं। ऐसे में पर्यावरण संरक्षण को लेकर लोगों में जागरूकता पैदान करने तथा पृथ्वी को बचाने के लिए प्रतिवर्ष 22 अप्रैल को 'विश्व पृथ्वी दिवस' मनाया जाता है। प्रकृति पिछले कुछ समय से बार-बार भयानक आंधियों, तूफान और ओलावृष्टि के रूप में यह गंभीर संकेत देती रही है कि विकास के नाम पर हम प्रकृति से भयानक तरीके से जिस तरह का खिलवाड़ कर रहे हैं, उसके परिणामस्वरूप मौसम का मिजाज कब कहां किस कदर बदल जाए, कुछ भी भविष्यवाणी करना मुश्किल होता जा रहा है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते दुनियाभर में मौसम का मिजाज किस कदर बदल रहा है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि उत्तरी ध्रुव के तापमान में एक-दो नहीं बल्कि करीब 30 डिग्री तक की बढ़ोतरी देखी गई। मौसम की प्रतिकूलता साल दर साल किस कदर बढ़ती जा रही है, यह इसी से समझा जा सकता है कि कहीं भयानक सूखा तो कहीं बेमौसम अत्यधिक वर्षा, कहीं जबरदस्त बर्फबारी तो कहीं कड़ाके की ठंड, कभी-कभार ठंड में गर्मी का अहसास तो कहीं तूफान और कहीं भयानक प्राकृतिक आपदाएं, ये सब प्रकृति के साथ हमारे खिलवाड़ के ही दुष्परिणाम हैं और हमें यह सचेत करने के लिए पर्याप्त हैं कि अगर हम इसी प्रकार प्रकृति के संसाधनों का बुरे तरीके से दोहन करते रहे तो हमारे भविष्य की तस्वीर कैसी होने वाली है। हालांकि प्रकृति कभी समुद्री तूफान तो कभी भूकम्प, कभी सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें चेतावनी भी देती रही है किन्तु जलवायु परिवर्तन से निपटने के नाम पर वैश्विक चिंता व्यक्त करने से आगे हम शायद कुछ करना ही नहीं चाहते। हम यह समझना ही नहीं चाहते कि पहाड़ों का सीना चीरकर हरे-भरे जंगलों को तबाह कर हम जो कंक्रीट के जंगल विकसित कर रहे हैं, वह वास्तव में विकास नहीं बल्कि विकास के नाम पर हम अपने विनाश का ही मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। पहाड़ों में बढ़ती गर्माहट के चलते हमें अक्सर घने वनों में भयानक आग लगने की खबरें सुनने को मिलती रहती हैं। पहाड़ों की इसी गर्माहट का सीधा असर निचले मैदानी इलाकों पर पड़ता है, जहां का पारा अब हर वर्ष बढ़ता जा रहा है। धरती का तापमान यदि इसी प्रकार साल दर साल बढ़ता रहा तो आने वाले वर्षों में हमें इसके बेहद गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहना होगा क्योंकि हमें यह बखूबी समझ लेना होगा कि जो प्रकृति हमें उपहार स्वरूप शुद्ध हवा, शुद्ध पानी, शुद्ध मिट्टी तथा

ढ़ेरों जनोपयोगी चीजें दे रही है, अगर मानवीय क्रियाकलापों द्वारा पैदा किए जा रहे पर्यावरण संकट के चलते प्रकृति कुपित होती है तो उसे सबकुछ नष्ट कर डालने में पलभर की भी देर नहीं लगेगी। करीब दो दशक पहले देश के कई राज्यों में जहां अप्रैल माह में अधिकतम तापमान औसतन 32-33 डिग्री रहता था, अब वह 40 के पार रहने लगा है। मौसम विभाग का तो अनुमान है कि अगले तीन दशकों में इन राज्यों में तापमान में वृद्धि 5 डिग्री तक दर्ज की जा सकती है और इसी प्रकार तापमान बढ़ता रहा तो एक ओर जहां जंगलों में आग लगने की घटनाओं में बढ़ोतरी होगी, वहीं धरती का करीब 20-30 प्रतिशत हिस्सा सूखे की चपेट में आ जाएगा तथा एक चौथाई हिस्सा रेगिस्तान बन जाएगा, जिसके दायरे में भारत सहित दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य अमेरिका, दक्षिण आस्ट्रेलिया, दक्षिण यूरोप इत्यादि आएंगे। सवाल यह है कि धरती का तापमान बढ़ते जाने के प्रमुख कारण क्या हैं? इसका सबसे अहम कारण है ग्लोबल वार्मिंग, जो तमाम तरह की सुख-सुविधाएं व संसाधन जुटाने के लिए किए जाने वाले मानवीय क्रियाकलापों की ही देन है। पेट्रोल, डीजल से उत्पन्न होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड तथा ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि वातावरण में पहले की अपेक्षा 30 फीसदी ज्यादा कार्बन डाईऑक्साइड मौजूद है,जिसकी मौसम का मिजाज बिगाड़ने में अहम भूमिका है। पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं लेकिन पिछले कुछ दशकों में वन-क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील किया जाता रहा है। एक और अहम कारण है बेतहाशा जनसंख्या वृद्धि। जहां 20वीं सदी में वैश्विक जनसंख्या करीब 1.7 अरब थी, अब बढ़कर 8 अरब से भी ज्यादा हो चुकी है। अब सोचने वाली बात यह है कि धरती का क्षेत्रफल तो उतना ही रहेगा, इसलिए कई गुना बढ़ी आबादी के रहने और उसकी जरूरतें पूरी करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का बड़े पैमाने पर दोहन किया जा रहा है, इससे पर्यावरण की सेहत पर जो जबरदस्त प्रहार हुआ है, उसी का परिणाम है कि धरती बुरी तरह धधक रही है। ब्रिटेन के प्रख्यात भौतिक शास्त्री स्टीफन हॉकिंग की इस टिप्पणी को कैसे नजरअंदाज किया जा सकता है कि यदि मानव जाति की जनसंख्या इसी कदर बढ़ती रही और ऊर्जा की खपत दिन-प्रतिदिन इसी प्रकार होती रही तो करीब 600 वर्षों बाद पृथ्वी आग का गोला बनकर रह जाएगी।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

केकेआर की बल्लेबाज़ी पर अजिंक्य रहाणे बरसे, ब्रावो बोले- 'खिलाड़ियों ने खो दिया है आत्मविश्वास'

कोलकाता। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की मुश्किलें थमने का नाम नहीं ले रहीं। सोमवार को गुजरात टाइटंस (जीटी) के हाथों मिली 39 रन की हार के बाद कप्तान अजिंक्य रहाणे ने टीम की बल्लेबाज़ी पर सवाल उठाए। रहाणे ने कहा कि गेंदबाज़ अच्छा कर रहे हैं, लेकिन लगातार नाकाम हो रही बल्लेबाज़ी हार की वजह है। वहीं टीम के मेंटर ड्वेन ब्रावो ने भी माना कि खिलाड़ी आत्मविश्वास खो चुके हैं।

रहाणे ने बल्लेबाज़ों को ठहराया हार का ज़िम्मेदार- मैच के बाद रहाणे ने कहा, "मुझे गेंदबाज़ों से कोई शिकायत नहीं है। उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया। लेकिन हमारी बल्लेबाज़ी इस पूरे टूर्नामेंट में जूझती नज़र आई है। 199 रन का लक्ष्य हासिल किया जा सकता था, लेकिन एक अच्छी शुरुआत की ज़रूरत थी, जो हम नहीं दे सके।" उन्होंने आगे कहा, "जब आप बड़ा स्कोर का पीछा कर रहे होते हैं, तो सलामी बल्लेबाज़ों की साझेदारी अहम होती है। यही वह क्षेत्र है, जिसमें हम पिछड़ रहे हैं। हमारी शुरुआत लगातार खराब रही है और इसका असर नतीजों पर पड़ा है।"

ब्रावो ने कहा- बल्लेबाज़ खो चुके हैं आत्मविश्वास- टीम के मेंटर ड्वेन ब्रावो ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, "सच्चाई यही है कि हमारी टीम ठीक से बल्लेबाज़ी नहीं कर रही है। सिर्फ आंद्रे रसेल ही नहीं, कई खिलाड़ी खराब फॉर्म में हैं। आईपीएल ऐसा टूर्नामेंट है, जहां अगर शुरुआत खराब हो जाए, तो खिलाड़ी आत्मविश्वास खो देते हैं। यही इस समय हमारे साथ हो रहा है।" ब्रावो ने ये भी कहा कि रसेल को हर बार 14-15 रन प्रति ओवर की दर से बल्लेबाज़ी करनी पड़ रही है। "काम सलामी बल्लेबाज़ों और

ऊपरी क्रम के बल्लेबाज़ों को करना है ताकि रसेल मैच समाप्त कर सकें। हम दाएं-बाएं हाथ के बल्लेबाज़ों का संयोजन बनाकर खेलना चाहते थे, इसी वजह से अंगकृष रघुवंशी को नीचे भेजा गया। लेकिन जब खिलाड़ी लय में ना हों, तो योजनाएं भी बेअसर हो जाती हैं।"

लगातार विफल रही सलामी जोड़ी- केकेआर के लिए सलामी जोड़ी सबसे बड़ी परेशानी रही है। इस सत्र में टीम की सलामी साझेदारी का औसत महज़ 19.00 रहा है। सोमवार को रहमानुल्लाह गुरबाज़ और सुनील नारायण की नई जोड़ी भी सिर्फ पांच गेंद ही टिक पाई। रहाणे ने माना कि ये टीम की सबसे बड़ी कमजोरी है। उन्होंने कहा, "हम अपनी बल्लेबाज़ी को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। हमें मध्य ओवरों में भी बेहतर खेल दिखाना होगा। गेंदबाज़ लगातार अच्छा कर रहे हैं, लेकिन बल्लेबाज़ों को भी ज़िम्मेदारी लेनी होगी।"

रहाणे ने जताई वापसी की उम्मीद- कप्तान अजिंक्य रहाणे ने कहा कि टीम के खिलाड़ी मेहनत कर रहे हैं और जल्द ही नतीजे दिखेंगे। "इस प्रारूप में बहादुरी के साथ खेलना पड़ता है। पिछली बातों को भूलकर आगे देखना चाहिए। अगर आप आउट होने के बारे में सोचेंगे, तो आउट हो जाएंगे। रन बनाने की सोच रखनी होगी। मुझे यकीन है कि हमारी टीम वापसी करेगी।"

आईपीएल 2025 : गुजरात टाइटंस ने केकेआर को 39 रनों से हराया, दर्ज की छठी जीत

वॉशिंगटन। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 39वें मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) को 39 रनों से हराकर शीर्ष पर अपना दबदबा और मजबूत किया। गुजरात ने शुभमन गिल और साई सुदर्शन के अर्धशतकों से 20 ओवर में तीन विकेट पर 198 रन बनाए, जिसके जवाब में केकेआर की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 159 रन ही बना सकी। लक्ष्य का पीछा करते हुए केकेआर की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज का विकेट जल्द गंवा दिया। इसके बाद रहाणे ने सुनील नरेन के साथ मिलकर टीम को संभाला, लेकिन नरेन 17 रन बनाकर आउट हो गए। फिर रहाणे अच्छी पारी खेलते रहे, लेकिन दूसरे छोर पर उनका कोई बल्लेबाज साथ नहीं दे सका। केकेआर के लिए बड़ी साझेदारी नहीं बन पाना हार का बड़ा कारण बना। केकेआर के लिए रहाणे (36 गेंदों पर 50 रन) के अलावा आंद्रे रसेल ने 21, रिंकू सिंह ने 17, वेंकटेश अय्यर

ने 14 और रमनदीप सिंह ने एक रन बनाए। वहीं, इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे अंगकृष रघुवंशी ने नाबाद 27 की पारी खेली। उनके साथ हर्षित राणा एक रन बनाकर नाबाद रहे। गुजरात टाइटंस की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा और राशित खान ने दो-दो विकेट झटके जबकि मो. सिराज, ईशान्त शर्मा, वाशिंगटन सुंदर और साई किशोर को एक-एक सफलता मिली। इससे पहले, बल्लेबाजी करते हुए शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने गुजरात को शानदार शुरुआत दिलाई और पहले विकेट के लिए 114 रन जोड़े। गिल ने 34 गेंदों पर और सुदर्शन ने 33 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। सुदर्शन का इस सीजन का यह पांचवां और गिल का तीसरा पचासा रहा। गिल और सुदर्शन के बीच इस साझेदारी को आंद्रे रसेल ने तोड़ा। सुदर्शन ने 36 गेंदों पर छह चौका और एक छक्के की मदद से 52 रन बनाए। इसके बाद जोस बटलर क्रीज पर आए और उन्होंने गिल के साथ मिलकर गुजरात की पारी को गति दी। गिल ने आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखी, लेकिन वह शतक लगाने से चूक गए। गिल ने 55 गेंदों पर 10 चौकों और तीन छक्कों की मदद से सबसे ज्यादा 90 रन बनाए। इस दौरान गिल और बटलर के बीच दूसरे विकेट के लिए 58 रनों की साझेदारी हुई।

आईपीएल न खेल पाने का मलाल : क्रिकेटर मोहसिन खान

मुरादाबाद। चोट की वजह से आईपीएल के मौजूदा संस्करण से बाहर हुए संभल के तेज गेंदबाज मोहसिन खान मुम्बई में सर्जरी कराकर घर लौट आए हैं। मोहसिन ने मंगलवार को मीडिया कर्मियों से कहा कि आईपीएल न खेल पाने का मलाल तो है, लेकिन वह सिर्फ मैदान से दूर हैं। उनका दिल अब भी टीम के साथ जुड़ा हुआ है। टीम उनके लिए परिवार की तरह है। टीम ने मुश्किल दौर में भी उनका साथ दिया है। वह रिकवर होकर उसी जोश के साथ मैदान में लौटेंगे। आईपीएल-2025 में चोटिल हुए तेज गेंदबाज मोहसिन खान ने बीते 09 अप्रैल को मुंबई में सर्जरी कराई। अब वह अपने गृह जनपद संभल लौट चुके हैं। डॉक्टरों ने उन्हें पांच महीने तक मैदान से दूर रहने और आराम करने की सलाह दी है।

मोहसिन खान को आईपीएल-2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से खेलना था। फ्रेंचाइजी ने उन्हें चार करोड़ रुपये में रिटेन किया था। इससे पहले आईपीएल-2022 की नीलामी में मोहसिन को फ्रेंचाइजी ने 20 लाख रुपये में अपनी टीम में शामिल किया था। मोहसिन ने 2022 से 2024 तक कुल 23 मैच खेले और इसमें से कई मैचों में उन्होंने मैच जिताऊ प्रदर्शन किया। इन 23 मैचों में उन्होंने कुल 27 विकेट अपने नाम किए। मोहसिन खान के इस शानदार प्रदर्शन पर फ्रेंचाइजी ने इस वर्ष मेगा नीलामी में उन्हें चार करोड़ रुपये में रिटेन किया था। इस बार टीम में उन्हें प्रमुखता से मौका देने वाली थी, लेकिन घुटने में चोट के चलते वह आईपीएल के शुरू होने से पहले ही पूरे संस्करण से बाहर हो गए। फ्रेंचाइजी ने आईपीएल से पहले ही मोहसिन की जगह शार्दुल ठाकुर को टीम में शामिल कर लिया था। इसके बाद वह मुंबई पहुंचे, जहां नौ अप्रैल को कोकिलाबेन धीरूबाई अंबानी अस्पताल में उनके घुटने की सफल सर्जरी हुई। सर्जरी कराने के बाद वह अपने गृह जनपद लौटे। उन्होंने बताया कि डॉक्टरों ने पांच महीने तक आराम करने की सलाह दी है। वह पूरी तरह से रिकवर होने के बाद मैदान में वापसी करेंगे।

आईपीएल से पीएसएल का कोई मुकाबला नहीं : अकमल

लाहौर। पाकितान के पूर्व क्रिकेटर कामरान अकमल ने पाक सुपर लीग (पीएसएल) की तुलना इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से करने पर जमकर फटकार लगायी है। अकमल ने कहा कि आईपीएल ओर पीएसएल में कहीं कोई मुकाबला नहीं है। अकमल ने पीएसएल आयोजन को लेकर पीसीबी प्रबंधन को भी आड़े हाथों लिया है। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि पीएसएल में खेल रहे खिलाड़ियों और टीमों का प्रदर्शन बहद घटिया है। साथ ही कहा कि पीएसएल फ्रेंचाइजी की मेंटेलिटी भी सही नहीं है। अकमल ने सोशल मीडिया में आईपीएल और पीएसएल की तुलना करते हुए कहा, कि आईपीएल में क्या जबरदस्त मैच देखने को मिल रहा है और क्यों न कहें कि वह नंबर 1 क्रिकेट लीग है। क्रिकेट की क्वालिटी देखें, बड़े से बड़ा स्कोर टीमें हासिल कर रही हैं। कही कोई परेशानी नहीं है सभी आराम से खेल रहे हैं। यही आईपीएल की सबसे बड़ी सफलता है वह इतनी बड़ी लीग बन गई है, जहां पहुंचने का कोई सोच भी नहीं सकता। वहीं हमारे यहां पीएसएल में खिलाड़ी हैरान हैं और दर्शकों को भी रोमांच मैच देखने नहीं मिल रहे। साथ ही कहा कि

हमारे खिलाड़ियों के आईपीएल देखकर सीखना होगा। अकम ने कहा गुजरात और दिल्ली के मैच को लेकर कहा अहमदाबाद दुनिया का सबसे बड़ा स्टेडियम हैं, जहां 70-80 हजार लोग बैठे होंगे। वहां पर गुजरात ने किस तरह से 200 से ऊपर का स्कोर हासिल कर लिया। दिल्ली ने 203 रन बनाए। सारे बल्लेबाजों ने अच्छी बल्लेबाजी की। गुजरात के बल्लेबाजों ने भी कमाल का प्रदर्शन करके मैच जीता। इनकी बल्लेबाजी को हमारे बल्लेबाजो को देखना चाहिए, कि कैसे मैच बनाया जाता है। हमारे पीएसएल में भी ऐसे ही लक्ष्य का पीछा करना आना चाहिये।

प्रीति जिंटा को अपने बच्चों की तस्वीर दिखा रहे विराट !

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेल रहे अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली अपने परिवार से हमेशा जुड़े रहते हैं। अब आईपीएल का एक विडियो सामने आया है इसमें विराट पंजाब किंग्स की सहमालिक अभिनेत्री प्रीति जिंटा को अपने बच्चों की तस्वीर दिखाते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में प्रीति जिंटा के हाथ में फोन हैं और विराट उन्हें कुछ बताते नजर आ रहे हैं। ये वायरल क्लिप्स रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स के बीच मैच के बाद की है। इसमें प्रीति विराट को बधाई देती दिखती हैं। इसके बाद प्रीति बड़े प्यार से फोन देख रही होती हैं। विराट कुछ बोलते हैं तो प्रीति जोर से हंसने लगती हैं। लोग विराट और प्रीति के बीच इस बातचीत

को अच्छे पल बता रहे हैं। वहीं कई लोग अंदाजा लगाने के प्रयास कर रहे थे कि प्रीति और विराट फोन में क्या देख रहे हैं। कुछ लोगों को लग रहा है कि फोन विराट का है और वह इसमें प्रीति को अपने बच्चों की तस्वीर दिखा रहे हैं। वहीं कुछ को लग रहा है कि फोन प्रीति का है जिसमें मैच से जुड़ा कुछ देखकर दोनों हंस रहे हैं। एक ने कमेंट किया है, ऐसा क्यों लग रहा है कि विराट प्रीति को अपने बेटे अकाय की तस्वीर दिखा रहे हैं। एक ने लिखा है, पक्का बच्चों की तस्वीर दिखा रहे हैं।

व्यापार

मजबूती का सिक्सर, लगातार छठे दिन बढ़त के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को लगातार छठे दिन बढ़त के साथ हरे निशान पर बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। हालांकि, बाजार खुलते ही बिकवाली के दबाव की वजह से कुछ देर के लिए शेयर बाजार के दोनों सूचकांक लाल निशान में भी गिर गए, लेकिन थोड़ी ही देर बाद लिवाली शुरू हो जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने दोबारा हरे निशान में अपनी जगह बना ली। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.24 प्रतिशत और निफ्टी 0.17 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान एफएमसीजी, रियल्टी और पीएसयू बैंक सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह मेटल, फार्मास्यूटिकल, ऑटोमोबाइल और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर आईटी, एनर्जी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, टेक, ऑयल एंड गैस तथा कैपिटल गुड्स सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज आमतौर पर खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.81 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.82 प्रतिशत उछल कर आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में सवा लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 427.24 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार

को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 425.85 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.39 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,130 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,470 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,510 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, जबकि 150 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,595 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,657 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 938 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 14 शेयर बढ़त के साथ और 16 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 22 शेयर हरे निशान में और 28 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 319.89 अंक की मजबूती के साथ 79,728.39 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण पहले 5 मिनट में ही यह सूचकांक सारी बढ़त गंवा कर 155.06 अंक की कमजोरी के साथ 79,253.44 अंक तक लुढ़क गया। हालांकि, इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से इस सूचकांक ने दोबारा हरे निशान में अपनी जगह बना ली। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से दोपहर 11 बजे के थोड़ी देर बाद यह सूचकांक 415.80 अंक की मजबूती के साथ 79,824.30 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इस तेजी के बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 225 अंक से ज्यादा टूट कर 187.09 अंक की बढ़त के साथ 79,595.59 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 59.85 अंक उछल कर 24,185.40 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली के दबाव की वजह से थोड़ी देर में ही यह सूचकांक ओपनिंग लेवल से 110 अंक से ज्यादा टूट कर 53.55 अंक की कमजोरी के साथ 24,072 अंक के स्तर तक गिर गया। इस गिरावट के बाद खरीदारों ने मोर्चा संभाला और आक्रामक अंदाज में लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में सुधार होने लगा।

फ्लिपकार्ट आईपीओ से पहले अपना मुख्यालय सिंगापुर से भारत में करेगा स्थानांतरित

नई दिल्ली। वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट भारत में घर वापसी की तैयारी कर रही है। देश की प्रमुख ई-कॉमर्स कंपनियों में से एक फ्लिपकार्ट कई सालों तक सिंगापुर में परिचालन करने के बाद अब अपना मुख्यालय सिंगापुर से वापस भारत ला रही है। क्योंकि वह अगले साल भारतीय शेयर बाजार में आईपीओ लाने की तैयारी कर रही है। फ्लिपकार्ट ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि वह अपना मुख्यालय सिंगापुर से भारत में स्थापित करेगी। इस कदम को देश में संभावित सार्वजनिक सूचीबद्धता की दिशा में एक कदम के रूप में देखा जा सकता है। इसकी मूल कंपनी वॉलमार्ट 17 साल पुरानी कंपनी को सार्वजनिक करने का लक्ष्य बना रही है। वर्तमान में फ्लिपकार्ट का मुख्यालय सिंगापुर में स्थित है।कंपनी ने कहा कि भारत में जन्मी और विकास करने वाली कंपनी के रूप में यह बदलाव हमारे ग्राहकों, विक्रेताओं, भागीदारों और समुदायों की सेवा करने में हमारे ध्यान और तत्परता को और बढ़ाएगा, ताकि देश की बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था और उद्यमिता में योगदान जारी रखा जा सके। अब भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है और घरेलू तकनीकी फॉर्म में निवेशकों के दिलचस्पी बढ़ रही है, जिसके कारण फ्लिपकार्ट ने भारत वापस लौटने का फैसला किया है।

फ्लिपकार्ट की भारत में हुई थी

शुरुआत- फ्लिपकार्ट की शुरुआत साल 2007 में बेंगलुरु में हुई थी लेकिन साल 2011 में विदेशी पूंजी को आकर्षित करने, टैक्स लाभों का फायदा लेने जैसे कई महत्वपूर्ण बिंदुओं के कारण कंपनी ने अपना हेड ऑफिस सिंगापुर स्थानांतरित कर दिया था। सचिन बंसल और बिनी बंसल ने मिलकर एक ऑनलाइन बुक स्टोर के रूप में फ्लिपकार्ट की शुरुआत की थी, जो आज भारत की सबसे बड़ी ई-कॉमर्स कंपनियों में से एक है। ये कंपनी ई-कॉमर्स क्षेत्र के अन्य बड़े खिलाड़ी जैसे अमेजॉन आदि को प्रतिस्पर्धा दे रही हैं। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी रिटेल दिग्गज वॉलमार्ट ने 2018 में फ्लिपकार्ट की 81 फीसदी हिस्सेदारी हासिल कर ली थी। इसके बदले उन्होंने 16 अरब डॉलर का भुगतान किया। अभी वॉलमार्ट के पास फ्लिपकार्ट की 85 फीसदी हिस्सेदारी है।

लखटकिया हुआ सोना, देश-दुनिया में सोना ने बनाया मजबूती का नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली। वैश्विक अर्थव्यवस्था को लेकर बनी चिंता के कारण देश और दुनिया में सोने की कीमत में तेजी का दौर लगातार जारी है। भारत के मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में सोना आज अपने सर्वोच्च स्तर 1,00,116 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर तक पहुंच गया। इसी तरह अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना आज पुराने सभी रिकॉर्ड्स को ध्वस्त करते हुए 3,500 डॉलर प्रति औंस के करीब पहुंच गया। आज दिनभर के कारोबार के दौरान सोना पहली बार तीन प्रतिशत जीएसटी जोड़ने के बाद 1 लाख रुपये के स्तर को पार करके 1,00,116 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर तक पहुंचने में सफल रहा। वहीं, वायदा बाजार में एमसीएक्स पर सोना 1.76 प्रतिशत उछल कर 98,991 रुपए के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। सोने की तरह वायदा बाजार में एमसीएक्स पर

चांदी 0.62 प्रतिशत की छलांग लगा कर 95,840 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। वहीं, जीएसटी समेत चांदी की कीमत 98,715 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर रही। भारतीय बाजार की तरह अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना आज मजबूती के नए शिखर पर पहुंच गया। इस चमकीली धातु ने आज 3,434.37 डॉलर प्रति औंस के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। दिन के कारोबार में सोना मजबूती का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 3,499.87 डॉलर प्रति औंस के स्तर तक पहुंच गया। इसी तरह यूएस गोल्ड फ्यूचर्स भी 1.7 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3482.40 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। कैपेक्स गोल्ड एंड इन्वेस्टमेंट्स के सीईओ राजीव दत्ता का कहना है कि अमेरिका और चीन के बीच जारी टैरिफ वॉर की वजह से निवेशकों के बीच सेफ इन्वेस्टमेंट के रूप में सोने की मांग लगातार बढ़ी है। इसी तरह डॉलर इंडेक्स में आई गिरावट ने भी सोने की मांग को बढ़ा दिया है। डॉलर इंडेक्स फिलहाल 3 साल के सबसे निचले स्तर पर पहुंचा हुआ है, जिससे निवेशकों के बीच सोने का आकर्षण बढ़ गया है। इसके अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल के बीच ब्याज दर को लेकर चल रही खींचतान की वजह से भी अमेरिकी बाजार में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। इसके कारण निवेशक वॉल स्ट्रीट की तुलना में गोल्ड मार्केट में निवेश करना ज्यादा बेहतर समझ रहे हैं।

वित्त मंत्री सीतारमण की सैन फ्रांसिस्को में कारोबारी दिग्गजों से मुलाकात, निवेश व तकनीकी सहयोग पर चर्चा

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को सैन फ्रांसिस्को में कई वरिष्ठ कारोबारी नेताओं, अधिकारियों और व्यापार जगत के दिग्गजों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल इंडिया, निवेश और शिक्षा में भारत-अमेरिका सहयोग के अवसरों पर चर्चा की। इसके अलावा उन्होंने स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के हूवर इंस्टीट्यूशन में 'विकसित भारत 2047 की नींव' विषय पर मुख्य भाषण दिया। इस दौरान उन्होंने प्रोफेसर स्टीव डेविस के साथ एक फायरसाइड चैट में हिस्सा लिया। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण इन दिनों अमेरिका और पेरू की 11 दिनों की आधिकारिक दौरे पर हैं। दौरे की शुरुआत में उन्होंने कैलिफोर्निया के इस शहर में भारतीय प्रवासी समुदाय के साथ बातचीत की। सोमवार को उन्होंने कई बिजनेस लीडर्स और कॉरपोरेट एक्जीक्यूटिव्स से मुलाकात की। इस दौरान वित्त मंत्री ने सिलिकॉन वैली की वेंचर कैपिटल फर्म a16z के जनरल पार्टनर अंजनेय मिधा और टेक्नोलॉजी कंपनी VMware के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रघु रघुराम से मुलाकात की। वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर दी गई जानकारी में बताया कि बैठक के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में तकनीक के क्षेत्र में हो रहे अभूतपूर्व परिवर्तन पर चर्चा की। उन्होंने सुझाव दिया कि a16z और VMware को एआई

के क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य और एआई सेंटर्स ऑफ एक्सीलेंस जैसे क्षेत्रों में सहयोग के अवसर तलाशने चाहिए। इस अवसर पर रघु रघुराम ने कहा कि "एआई एक स्ट्रैटेजिक इंफ्रास्ट्रक्चर है और भारत इस क्षेत्र में जो काम कर रहा है, वह साफ नजर आ रहा है।" वहीं, मिधा ने बताया कि उनकी कंपनी 16 अलग-अलग क्षेत्रों में इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़े सेक्टोरल फंड्स के जरिए कई देशों में रियल-वर्ल्ड प्रॉब्लम्स के समाधान पर काम कर रही है। सीतारमण ने भारत की एआई पहलों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने इस क्षेत्र में युवाओं को स्किल्ड और ट्रेन करने की आवश्यकता पर जोर दिया और a16z को इस दिशा में सहयोग के संभावनाओं को तलाशने के लिए प्रोत्साहित किया। सीतारमण ने गूगल क्लाउड के सीईओ थॉमस कुरियन और उनकी टीम से भी मुलाकात की। इस दौरान डिजिटल इंडिया पहल के तहत हाल के वर्षों में भारत के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में आए बड़े बदलावों पर चर्चा हुई। सीतारमण ने गूगल क्लाउड को प्रोत्साहित किया कि वह भारत में स्थानीय स्तर पर साझेदारियों की संभावनाएं तलाशे और मेक इन इंडिया पहल के तहत भारत और वैश्विक बाजारों के लिए तकनीक का निर्माण करे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सैन फ्रांसिस्को में भारतीय वाणिज्य दूतावास द्वारा आयोजित लंच राउंडटेबल में हिस्सा लिया, जिसमें वित्त सचिव अजय सेठ और अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा के साथ कई पेंशन फंड मैनेजरों और अन्य संस्थागत निवेशकों ने भाग लिया।

देशभक्ति, प्यार और हिम्मत से भरे गानों के साथ ग्राउंड जीरो का ज्यूकबॉक्स हुआ आउट

इमरान हाशमी की अपकमिंग एक्शन फिल्म ग्राउंड जीरो को लेकर एक्साइटमेंट बढ़ती जा रही है. दमदार ट्रेलर और जबरदस्त पोस्टर्स के बाद अब इस फिल्म को लेकर दर्शकों की उम्मीदें अपने पीक पर हैं. ग्राउंड जीरो एक ऐसी कहानी लेकर आ रही है, जो भारत की हिम्मत, इज्जत और शान के एक अनकहे अध्याय को सामने लाएगी. ये वाकई एक ऐतिहासिक पल है, क्योंकि ग्राउंड जीरो की श्रीनगर में ऐतिहासिक प्रीमियर हुआ है, जो इंडियन सिनेमा के लिए एक अनोखा और पहली बार होने वाला मौका है. इस खास दिन को और यादगार बनाते हुए मेकर्स ने ग्राउंड जीरो का ज्यूकबॉक्स भी रिलीज कर दिया है, जो फिल्म की इमोशनल और थीमेटिक झलक को और गहराई से महसूस करने का मौका देता है. देशभक्ति, प्यार, जीत और हौसले जैसे जज़्बातों से भरे गानों के साथ ग्राउंड जीरो का ज्यूकबॉक्स एक दिल को छू लेने वाला म्यूजिकल एक्सपीरियंस लेकर आया है. हर गाना फिल्म की कहानी से जुड़े जज़्बातों को खूबसूरती से बयां करता है. ग्राउंड जीरो का ज्यूकबॉक्स चार अलग-अलग ट्रैक्स के साथ एक पूरा देशभक्ति से लेकर प्यार, जीत से लेकर जज़्बे तक इमोशनल सफर पेश करता है. सो लेने दे को जुबिन नौटियाल और अफसाना खान ने अपनी शानदार आवाज दी है, जिसकी कंपोजिंग तनिष्क बागची और आकाश राजन ने की है और बोल लिखे हैं वायु ने. पहली दफा को विशाल मिश्रा ने बड़े ही जज़्बातों के साथ गाया है, जिसमें इरशाद कामिल के दिल को छू लेने वाले बोल हैं और म्यूजिक दिया है रोहन-रोहन की जोड़ी ने. फतेह एक हाई-एनर्जी एंथम है, जिसे दिव्या कुमार ने गाया है, संगीत है सनी इंदर का और बोल लिखे हैं कुमार ने और ये ट्रैक ताकत और हिम्मत की कहानी सुनाता है. लहू, सोनू निगम की दमदार आवाज में एक इमोशनल मास्टरपीस है, जिसे तनिष्क बागची ने कंपोज किया है और रश्मि विराग ने लिखा है. कहना गलत नहीं होगा की हर गाना फिल्म की कहानी को और गहराई से महसूस कराने वाला है. रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने फिल्म के सह-निर्माता हैं. इस फिल्म का निर्देशन तेजस दिओस्कर ने किया है ने. फिल्म के को-प्रोड्यूसर्स हैं कासिम जगमगिया, विशाल रामचंदानी, संदीप सी सिधवानी, अर्हन बगाटी, टैलिसमैन फिल्म्स, अभिषेक कुमार और निशिकांत रॉय. ग्राउंड जीरो 25 अप्रैल 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है.

रेड 2 का गाना तुम्हे दिल्लगी हुआ रिलीज

अजय देवगन और वाणी कपूर की दिखी दिल को छू लेने वाली केमिस्ट्री

रेड 2 के निर्माताओं ने बेसब्री से प्रतीक्षित अपना नया गाना 'तुम्हे दिल्लगी' लॉन्च कर दिया है -जो कि दिग्गज नुसरत फतेह अली खान के इस प्रतिष्ठित क्लासिक गाने का एक भावपूर्ण रीमेक है। संगीतकार रोचक कोहली द्वारा फिर से तैयार किए गए और जुबिन नौटियाल की शानदार आवाज़ के ज़रिए जीवंत किए गए इस गाने में मनोज मुंतशिर और पूर्णम इलाहाबादी के मार्मिक बोल हैं, जो एक गहरी भावनात्मक अंतर्धारा को पकड़ते हैं जो फिल्म के विश्वास, लालसा और छिपी हुई सच्चाइयों के विषयों को दर्शाता है। एक जीवंत उत्सव की पृष्ठभूमि में सेट किया गया यह गाना फिल्म में एक कोमल अंतराल प्रदान करता है -जो अजय देवगन और वाणी कपूर के बीच बढ़ते संबंध को उजागर करता है। यह क्षण गर्मजोशी और अंतरंगता का एहसास कराता है, लेकिन यह अजय के चरित्र द्वारा सामना किए जाने वाले आंतरिक उथल-पुथल का सूक्ष्म संकेत देता है, क्योंकि उसकी दुनिया के दूसरे हिस्से में चुपचाप तूफ़ान आ रहा है। जुबिन नौटियाल कहते हैं, तुम्हें दिल्लगी हमेशा से उन सदाबहार गीतों में से एक रहा है जो मेरे साथ रहा है। बचपन में, फिर एक लड़के के रूप में और अब एक आदमी के रूप में मैं अभी भी नुसरत साहब के इस सदाबहार जादू का आनंद ले रहा हूँ। इस संस्करण में तड़प की एक गहरी भावना है जिसे मैंने हर नोट के माध्यम से व्यक्त करने की कोशिश की है। यह दो लोगों के बीच की खामोशी, उन भावनाओं को बयां करता है जो अनकही रह जाती हैं। एक ऐसे गीत को फिर से बनाना जिसे मैं लंबे समय से पसंद करता रहा हूँ, एक विशेषाधिकार और चुनौती दोनों था -अपनी आवाज़ के साथ इसकी आत्मा को थामे रखना। संगीतकार रोचक कोहली कहते हैं, तुम्हें दिल्लगी जैसे क्लासिक को फिर से कल्पना करना जिम्मेदारी की भावना के साथ आया। मूल फिल्म में बहुत भावनात्मक भार है, और मेरा उद्देश्य इसे सम्मान देना था, साथ ही इसे एक ऐसा स्वरूप देना था जो रेड 2 की 80/90 के दशक की दुनिया में फिट हो। यह पुरानी यादों को सिनेमाई संदर्भ के साथ मिलाने के बारे में है जो ताज़ा लगता है, फिर भी भावनाओं में गहराई से निहित है। राज कुमार गुप्ता द्वारा निर्देशित, रेड 2 को इस साल की सबसे मनोरंजक फिल्म माना जा रहा है। युद्ध की रेखाएँ खींची जा चुकी हैं, और दांव ऊंचे हैं -क्या आप अंतिम मुकाबले के लिए तैयार हैं? फिल्म में कई कलाकार हैं: अजय देवगन, रितेश देशमुख, वाणी कपूर, सुप्रिया पाठक, सौरभ शुक्ला और अमित सियाल, इस उच्च-दांव वाले सीक्वल में शामिल होने वाले अन्य प्रसिद्ध अभिनेता। रेड 2 का निर्माण भूषण कुमार, कुमार मंगत पाठक, अभिषेक पाठक और कृष्ण कुमार ने किया है। फिल्म को गुलशन कुमार और टी-सीरीज़ द्वारा प्रस्तुत किया गया है और यह पैनोरमा स्टूडियो द्वारा निर्मित है। राज कुमार गुप्ता द्वारा निर्देशित, रेड 2 1 मई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

आज के युवा पीढ़ी पारंपरिक भारतीय परिधानों को कम महत्व देती है: अविका गोर

अभिनेत्री अविका गौर का मानना है कि साड़ी या सलवार कमीज जैसे भारतीय परिधानों को पहनना, विशेष रूप से युवा पीढ़ी के बीच, बहुत कम महत्व दिया जाता है। अविका ने कहा, मुझे लगता है कि साड़ी या सलवार कमीज जैसे पारंपरिक भारतीय परिधानों को पहनना बहुत कम आंका जाता है, खासकर युवा पीढ़ी के बीच। मुंबई या हैदराबाद जैसे शहरों में, मैं शायद ही युवाओं को हमारी संस्कृति के इस हिस्से को अपनाते हुए देखती हूं। साड़ियाँ बहुत खूबसूरत होती हैं, और यह देखना अच्छा लगेगा कि ज़्यादा से ज़्यादा लोग उन्हें कैज़ुअली पहने हुए हैं - यहाँ तक कि एयरपोर्ट पर भी। थोड़ा सा काजल और बिंदी लगाएँ, और आपका लुक शानदार हो जाएगा। मुझे उम्मीद है कि ज़्यादा से ज़्यादा युवा लोग इसमें खूबसूरती देखना शुरू करेंगे. बालिका वधू में आनंदी की भूमिका निभाने के लिए मशहूर अभिनेत्री, जिसके लिए उन्हें 2009 में राजीव गांधी पुरस्कार मिला था, फैशन के मामले में कालातीत क्लासिक्स को प्राथमिकता देती हैं। कारण बताते हुए अविका ने कहा कि क्योंकि वे कालातीत हैं, इसका मतलब है कि उन्हें पीढ़ियों से पसंद किया जाता रहा है। उन्हें चुनने में निश्चितता और सहजता की भावना होती है। उन्होंने आगे कहा, अक्सर रुझानों को अपनाने के लिए बहुत प्रयास करने पड़ते हैं और गलत होने का जोखिम भी रहता है। लेकिन क्लासिक्स के मामले में कोई झिझक या संदेह नहीं होता - वे बस काम करते हैं। मैं इसी में विश्वास करती हूं। 2007 में अविका ने शश्श्श... कोई है से हिंदी टेलीविजन पर डेब्यू किया था। उन्होंने 2013 में उय्याला जम्पला के साथ टॉलीवुड में अपनी फिल्मी शुरुआत की। बालिका वधू में अपने काम से प्रसिद्धि पाने के बाद, अभिनेत्री को ससुराल सिमर का जैसे शो और 1920: हॉररर्स ऑफ द हार्ट और ब्लडी इश्क जैसी फिल्मों में देखा गया था। पिछले कुछ सालों में उनकी शैली किस तरह विकसित हुई है? अविका ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो, स्क्रीन पर मुझे नहीं लगता कि मेरी कोई भूमिका है। मेरा लुक डिज़ाइनर, स्टाइलिस्ट और निर्देशकों द्वारा तय किया जाता है जो मेरे द्वारा निभाए जाने वाले किरदार की कल्पना करते हैं। इसलिए, आप जो स्टाइल देखते हैं वह किरदार का है, मेरा नहीं। लेकिन ऑफ-स्क्रीन, मैं निश्चित रूप से विकसित हुई हूं। मैंने सीखा है कि आराम को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। मैंने अपनी खुद की पसंद को भी अपनाना शुरू कर दिया है - जैसे कि यह जानना कि लाल रंग की ड्रेस मुझे काले रंग की ड्रेस से बेहतर लगेगी। किसी ऐसे आउटफिट को नहीं कहना जो मुझे सही नहीं लगता, ऐसा कुछ है जो मैं पहले कभी नहीं करती थी, और यह एक ऐसा व्यक्तिगत विकास है जिसकी मैं वास्तव में खुद में प्रशंसा करती हूं।

सिनेमाघरों के बाद अब ओटीटी में धमाल मचाएगी मोहनलाल की फिल्म एल 2: एम्पुरान, जियो हॉटस्टार पर 24 अप्रैल से होगा प्रीमियर

सुपरस्टार मोहनलाल की मलयालम फिल्म एल 2: एम्पुरान सिनेमाघरों में रिलीज के एक महीने बाद ओटीटी पर दस्तक देने वाली है। मोहनलाल ने खुद इसकी घोषणा करते हुए ट्वीट किया है। 27 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई इस फिल्म ने 22 दिनों में वर्ल्डवाइड 265.74 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया है। यह मॉलीवुड की अब तक की सबसे अधकि कमाई करने वाली फिल्म बन चुकी है। पृथ्वीराज सुकुमारन के डायरेक्शन में बनी एल2: एम्पुरान पर बीते दिनों खूब विवाद भी हुआ है। फिल्म में 2002 के गुजरात दंगों के सीन्स के कारण इसे राजनीतिक आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। मेकर्स ने विवाद बढ़ता देख खुद ही फिल्म से कुल 3 मिनट के सीन्स हटा दिए। हालांकि, बावजूद इसके विरोध के सुर शांत नहीं हुए। एल 2: एम्पुरान असल में साल 2019 में रिलीज मोहनलाल और पृथ्वीराज सुकुमारन की ही सुपरहिट फिल्म लूसिफर का सीक्वल है। फिल्म का बजट 180 करोड़ रुपये बताया जाता है। जबकि इसने देश में 22 दिनों में 105.47 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया है। यह दिलचस्प है कि मलयालम की सबसे अधिक कमाई वाली फिल्म बनने के बावजूद एल 2: एम्पुरान अपने बजट के कारण हिट साबित नहीं हुई है। एक और मजेदार बात यह है कि फिल्म ने देश से ज्यादा विदेशों में कमाई की है। फिल्म की कहानी पिछली फिल्म से आगे बढ़ती है। जहां अपने दत्तक पिता रामदास (सचिन खेडेकर) के निधन के बाद स्टीफन (मोहनलाल) ने सत्ता उनके पुत्र जतिन (टोविनो थॉमस) को सौंप दी थी। लेकिन पांच साल पूरा कर चुका जतिन अब भ्रष्ट हो चुका है। वह पिता के सपनों को पूरा करने की बजाय दोबारा सत्ता हासिल करने के लिए सांप्रदायिक दलों से गठजोड़ कर लेता है। भाई को गलत रास्ते पर जाता देख उसकी बहन प्रियदर्शिनी (मंजू वॉरियर) उसके विरोध में राजनीति में उतर जाती है। लेकिन जब प्रियदर्शिनी मुश्किलों से घिर जाती है, तो उसे बचाने के लिए स्टीफन केरल लौटता है। मोहनलाल ने एक्स पर पोस्ट करते हुए जानकारी दी है कि एल 2: एम्पुरान इसी महीने 24 अप्रैल को ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर रिलीज होगी। हालांकि, अभी यह फिल्म मलयालम, तमिल, तेलुगू और कन्नड़ भाषा में ही स्ट्रीम होगी। ऐसे में हिंदी के दर्शकों को इसके लिए अभी थोड़ा और इंतजार करना पड़ेगा। मोहनलाल जहां इस फिल्म में लीड रोल में हैं, वहीं उनके साथ फिल्म के डायरेक्टर और एक्टर पृथ्वीराज सुकुमारन भी सपोर्टिंग रोल में हैं।

अलाया एफ का बोल्ड वीडियो इंटरनेट पर मचा रहा तहलका, फैंस बोले - हॉटनेस ओवरलोड

अलाया एफ का बोल्ड अवतार एक बार फिर इंटरनेट पर छा गया है. एक्ट्रेस ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वो बिकिनी टॉप और बैगी डेनिम्स में नजर आ रही हैं. कैमरे के सामने उनका कॉन्फिडेंस, एटीट्यूड और बोल्डनेस देख फैंस के दिलों की धड़कनें तेज हो गई हैं. इस वीडियो को पोस्ट करते हुए अलाया ने लिखा, यह वीडियो मेरे ड्राफ्ट में धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा कर रहा है. लेकिन जैसे ही ये वीडियो लाइव हुआ, फैंस ने कमेंट्स और लाइक्स की बौछार कर दी. किसी ने उन्हें दिल चुराने वाला कहा, तो कोई उनकी हॉटनेस का दीवाना हो गया. वीडियो में अलाया एफ का स्टाइल और एक्सप्रेशंस बेहद कातिलाना हैं. उन्होंने इस लुक में अपनी फिटनेस और फैशन सेंस को जबरदस्त अंदाज में फ्लॉन्ट किया है. मनीषी छिल्लर समेत कई सेलेब्स ने इस पोस्ट को लाइक किया है. वर्कफ्रंट की बात करें तो अलाया एफ अपनी परफॉर्मेंस और फैशन चॉइस के चलते लगातार सुर्खियों में बनी रहती हैं. यह वीडियो एक बार फिर साबित करता है कि वो ग्लैमर वर्ल्ड की अगली सेंसेशन बनने के लिए पूरी तरह तैयार हैं. अगर आपको ये वीडियो अभी तक नहीं देखा है, तो अलाया के इंस्टाग्राम पर जाकर जरूर देखें -यह वीडियो आपके दिन को और भी हॉट बना देगा.

Terror attack targets tourists in J-K's Pahalgam, multiple deaths feared

Agency: Terrorists struck a prime tourist location of Pahalgam in South Kashmir on Tuesday, killing multiple people and injuring at least 20, officials said. Jammu and Kashmir Chief Minister Omar Abdullah said the death toll is still being ascertained. "This attack is much larger than anything we've seen directed at civilians in recent years," he said on X. The incident occurred at around 3 pm when terrorists came down from the mountain in Baisaran valley and started firing at the tourists who frequent the place which is often dubbed as 'mini Switzerland' because of its long lush green meadows. The terror attack came at a time when US Vice President JD Vance along with his family is on a four-day visit to the country. He was in Rajasthan on Tuesday.
A purported video of the attack site emerged showing several people bleeding and lying motionless on the ground while women tourists were wailing and frantically looking for their near and dear ones. No independent official verification was available.
"I'm shocked beyond belief. This attack on our visitors is an abomination. The perpetrators of this attack are animals, inhuman and worthy of contempt. No words of condemnation are enough. I send my sympathies to the families of the deceased," CM Abdullah said. The incident comes when Kashmir is witnessing a surge in tourist arrivals after reeling under militancy for years. Also, the 38-day Amarnath pilgrimage is scheduled to begin on July 3. Authorities pressed a chopper into service for the evacuation of the injured, the officials said, adding some of the injured were brought down from the meadows by locals on their ponies. A doctor at the Pahalgam hospital said 12 injured tourists were admitted to the hospital and the condition of all of them was stable. "My husband was shot in the head while seven others were also injured in the attack," a woman survivor told PTI over phone. According to initial reports, the terrorists emerged from the dense pine forest surrounding the Baisaran, which was a famous spot for Bollywood movie makers in 1980s. A little earlier, Army, CRPF and local police rushed to Baisaran meadows after the news started coming down to the town, a senior police official said here. A massive anti-terrorist operation has been launched to hunt down the assailants as security forces have been fanned out in all directions, they said. Meanwhile, Pahalgam resort which was teeming with tourists till this afternoon wore a deserted look soon after the attack with tourists leaving the place, fearing for their safety, the officials said. Baisaran is a major tourist place in Pahalgam besides being a

campsite for trekkers who want to move further up to Tulian Lake. The area is accessible through ponies from Pahalgam and en route a panoramic view of the Pahalgam town and Lidder Valley could be seen. Lakhs of pilgrims from across the country travel to the Amarnath cave shrine from the twin routes -- the traditional 48-km Pahalgam route and the 14-km shorter but steep Baltal route in Ganderbal district.

PM, in Jeddah, briefed on Pahalgam terror attack, asked Amit Shah to visit site

Agency: Prime Minister Narendra Modi, who is in Saudi Arabia on a two-day state visit, spoke to Home Minister Amit Shah over the phone about the terror attack in Jammu and Kashmir's Pahalgam, where one person died and twelve others were injured. The attack occurred around 2.30 pm on Tuesday when a group of terrorists, dressed in fatigues, opened fire on tourists in Pahalgam's Baisaran meadow. During the telephonic conversation, PM Modi, who is in Jeddah, asked Amit Shah to take all suitable measures. He also asked him to visit the site of the attack. The Resistance Front, a local offshoot of the Pakistan-based terror group Laskhar-e-Taiba, claimed responsibility for the attack in Baisaran, a scenic meadow in Pahalgam. The area is accessible only by foot or ponies. Security forces reached the spot shortly after the sounds of gunfire were heard and evacuation efforts were launched immediately. A chopper was pressed into service for evacuation while some of the injured were brought down from the meadows by locals on

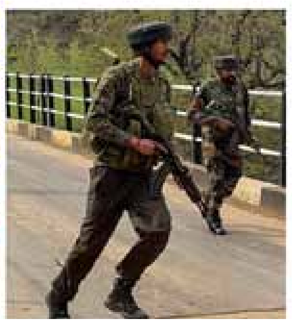

ponies, as per a report by news agency PTI. Following the terror attack, Amit Shah called a high-level meeting in Delhi. The meeting was attended by the Home Secretary, senior officials from the Intelligence Bureau and the Ministry of Home Affairs. Jammu and Kashmir officials, including the Director General of Police (DGP), also attended the meeting virtually. Amit Shah will leave for Srinagar soon and is expected to hold an urgent security review meeting there. In a tweet, the Home Minister expressed anguish by the terror attack and vowed to come down heavily on the perpetrators with the "harshest consequences". "Anguished by the terror attack on tourists in Pahalgam, Jammu and Kashmir. My thoughts are with the family members of the victim. Those involved in this dastardly act of terror will not be spared, and we will come down heavily on the perpetrators with the harshest consequences. Briefed PM Shri @ narendramodi Ji about the incident and held a meeting with the concerned officials via video conferencing. Will shortly leave for Srinagar to hold an urgent security review meeting with all the agencies," he said. Several eyewitnesses recalled the traumatic attack when their loved ones were fired upon. One woman was in tears as she pleaded with rescue personnel to save her husband. Another woman claimed that a gunman said "you're not a Muslim" and shot at her husband.

US, India can accomplish much more together: Vance

Agency: US Vice-President JD Vance on Tuesday called on India to give greater access to its markets, buy more American energy and defence hardware as he outlined the vision for stronger ties between the two countries. In an address at an event here, Vance said there is much that the US and India can accomplish together in diverse areas including high technology, defence, trade, and energy. Both India and US are working towards a bilateral trade agreement based on shared priorities, he said. The future of the 21st century will be determined by the strength of India and the US, he said. Trade relations must be based on fairness, Vance said referring to President Donald Trump's policy on trade and tariff. Vance also said President Trump seeks to rebalance global trade so that the US, with friends like India, can build a better future. In defence, our countries enjoy a close relationship and we can build many military platforms together, he said. Vance also lauded Modi's leadership. "I told Prime Minister Modi last night that he has approval ratings that would make me jealous," he said.

Neither Parliament nor executive, Constitution is supreme: Sibal hits back at V-P Dhankhar

Agency: Rajya Sabha MP Kapil Sibal on Tuesday said neither Parliament nor the executive, but the Constitution is supreme, as he hit back at Vice-President Jagdeep Dhankhar who slammed his critics for questioning his remarks on a recent Supreme Court order. The Rajya Sabha MP's remarks in posts on X came soon after Dhankhar said that every word spoken by a constitutional authority was guided by supreme national interest. Sibal also claimed that everything the court said was consistent with the country's constitutional values and guided by national interest. A top court bench recently prescribed a three-month timeline for the president of India to decide on Bills reserved by governors for her nod. Reacting to the directive, Dhankhar said the judiciary cannot play the role of a "super Parliament" and get into the domain of the executive. Addressing a Delhi University event, Dhankhar, who is also the Chairman of the Rajya Sabha, said every word spoken by a constitutional functionary was guided by the supreme, sublime interest of the nation. "I find it conceivably intriguing that some have recently reflected that constitutional offices can be ceremonial, ornamental. Nothing can be far distanced from a wrong understanding of the role of everyone in this country -- constitutional functionary or a citizen," he said. Dhankhar also said there is no visualization in the Constitution of any authority above Parliament. "Parliament is supreme," he asserted. In a post on X, Sibal said, "Supreme Court: Parliament has the plenary power to pass laws. Supreme Court has the obligation to interpret the Constitution and do complete justice (Article 142)." "Everything the Court said is: Consistent with our constitutional values; guided by national interest," the Independent Rajya Sabha MP and former Congress leader said. In another post, Sibal said, "The law: Neither Parliament nor the Executive is supreme, the Constitution is supreme. The provisions of the Constitution are interpreted by the Supreme Court. That's how this country has understood the law so far!" Sibal had slammed Dhankhar last Friday for questioning the judiciary over the timeline set for the president to take decisions, saying it was "unconstitutional" and that he had never seen any Rajya Sabha chairman make "political statements" of such nature. A day after Dhankhar used strong words against the judiciary, Sibal asserted that the Lok Sabha speaker and the Rajya Sabha chairman remain equidistant between the opposition and the ruling party, and cannot be the "spokesperson of one party". "Everyone knows that the Lok Sabha speaker's chair is in between. He or she is the speaker of the House, not the speaker of one party. They also don't

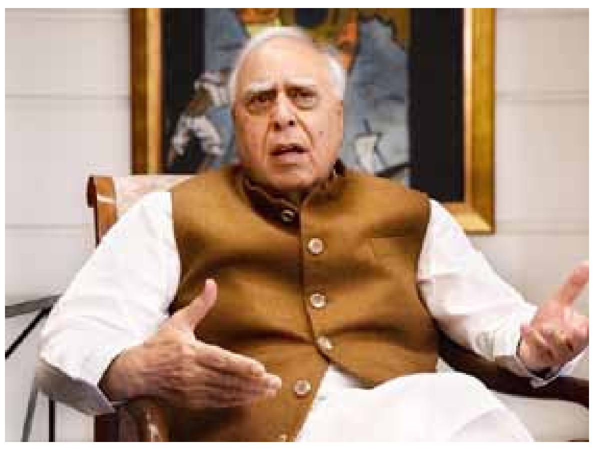

vote, they only vote in case of a tie. The same is with the Upper House. You are equidistant between the opposition and the ruling party," the senior advocate said. "Everything you say must be equidistant. No speaker can be the spokesperson of a party. I don't say that he (Dhankhar) is but no speaker in principle can be the spokesperson of any party. If it appears so, the dignity of the chair is lowered," Sibal asserted. Dhankhar last Thursday questioned the judiciary setting a timeline for the president to take decisions and act as a "super Parliament", saying the Supreme Court cannot fire a "nuclear missile" at democratic forces.

Who are UPSC toppers Shakti Dubey, Harshita Goyal, Dongre Archit Parag?

Agency: The Union Public Service Commission (UPSC) has announced the Civil Services Examination (CSE) 2024 Final Results, and three names have soared right to the top: Shakti Dubey, Harshita Goyal, and Dongre Archit Parag. These exceptional individuals have bagged AIR 1, 2, and 3, respectively, in what is often called India's most demanding competitive exam. But beyond their ranks lie stories of grit, bold career moves, and fearless transitions. Here's a closer look at the lives behind the list. Topping the list with All India Rank 1 is Shakti Dubey, a trailblazer from Prayagraj, Uttar Pradesh. Cracking the UPSC on her very first attempt, Shakti's story is as relatable as it is inspiring. Her father serves in the police force, and her mother is a homemaker -- a classic Indian middle-class background. But what set her apart was the way she saw the world. After completing school, Shakti moved to Banaras Hindu University (BHU) in Varanasi, where she immersed herself in hostel life and intellectual debate. The exposure to diverse perspectives on campus helped her shape the kind of analytical mindset that's critical for a civil servant. Shakti's journey proves that success at UPSC isn't just about books -- it's also about thinking differently. Securing All India Rank 2, Harshita Goyal has carved her name among the top with an inspiring journey that spans two states. Born in Haryana and raised in Vadodara, Gujarat, Harshita's upbringing brought together the rootedness of north India and the academic richness of the west. A Chartered Accountant by profession, Harshita completed her BCom from MS University of Baroda before taking the leap into civil services. Her decision to pursue Political Science and International Relations as her optional subject reflects a wide intellectual curiosity — one that went far beyond the world of ledgers and financial audits. Securing AIR 3, Dongre Archit Parag from Pune, Maharashtra, is another name making waves. A graduate in Electrical and Electronics Engineering from VIT Vellore, Archit was working in an IT firm when he decided to quit and take a leap into UPSC prep full-time. This was not his first rodeo -- Archit had already cleared the UPSC CSE in 2023 with Rank 153. But he wasn't done yet. With fierce determination, he came back stronger in 2024 and cracked the Top 3, believed to be the highest-ranked candidate from Maharashtra this year. Archit chose Philosophy as his optional subject -- a discipline that demands clarity of thought and deep reasoning. From schooling in Mumbai to junior college in Pune, to eventually representing Maharashtra on the national stage, his journey is a testament to resilience and goal-setting. The final allocation of services will depend on rank, preferences, and category eligibility. The UPSC will release the detailed marks and cut-offs within 15 days on upsc.gov. in. For now, India celebrates these brilliant minds — not just for their ranks, but for the courage it took to chase a bigger purpose.

Trainer aircraft crashes in Gujarat's Amreli district, pilot killed

Agency: A trainee pilot was killed when a trainer aircraft belonging to a private aviation academy crashed in a residential area in Gujarat's Amreli district on Tuesday afternoon and caught fire, a police official said. The plane fell on a tree before crashing into an open plot. The aircraft crash-landed into a residential area in the Giriya Road area of Amreli town at around 12:30 pm due to unknown reasons, killing the trainee pilot on the spot, said Amreli Superintendent of Police, Sanjay Kharat. "After taking off from the Amreli airport with a male trainee pilot, the trainer aircraft of an aviation academy, which operates from the airport, crashed into a residential area. The trainee pilot, who was flying solo, died in the crash while the aircraft was gutted in flames. No one else was injured in the accident," said Kharat. He said a Delhi-based aviation academy provides pilot training from the Amreli airport. The SP said local police have started the process to lodge a case of accidental death and investigation to find out the exact cause of the crash. Four teams of local fire brigade rushed to

Shastrinagar upon learning about the plane crash and resultant fire in the aircraft, said fire officer SC Gadhvi. "Though the plane crashed into a residential area, no one else was injured because it first fell on a tree and then crashed into an open plot. The fire was eventually brought under control by our teams," he said.

We were having bhelpuri, then terrorist shot husband: Pahalgam survivor's account

Agency: "We were just having bhelpuri... and then he shot my husband," a survivor of the Pahalgam terror attack recounted in a trembling voice. Her husband was among those targeted when gunmen opened fire at a group of tourists in Jammu and Kashmir's Pahalgam on Tuesday, killing one and injuring several others. "The gunman said my husband was not a Muslim and then shot him," she said, still in shock. Another video from the scene showed a woman sobbing uncontrollably, begging for help. "Please save my husband," she cried repeatedly, her words barely audible as tears choked her. The man recording the video could be heard trying to console her, even as he tried to make sense of the chaos around him. Two bloodied men lay motionless on the ground nearby. In another clip, a woman tending to a man with severe injuries pleaded urgently for help. "Sir, please, please, please ask for help," she said, her voice cracking. A group of tourists were fired upon by gunmen in fatigue in Jammu and Kashmir's Pahalgam. Twelve people have been injured in the attack. The attack took place in Baisaran valley in Pahalgam, a site frequented by tourists. The area is approachable only on foot or horses. Security forces rushed to the spot following the terror attack. The Resistance Front (TRF), a Lashkar-E-Taiba offshoot, has claimed responsibility for the attack. People's Democratic Party chief Mehbooba Mufti condemned the terror attack in Pahalgam. "I strongly

condemn the cowardly attack on tourists in Pahalgam, which tragically killed one and injured several. Such violence is unacceptable and must be denounced," she wrote on X.